■ श्रावण कृष्ण - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 349 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 19-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सोशल मीडिया पर कांवड़ियों को बदनाम करने के प्रयास किए जा रहे : योगी आदित्यनाथ

6 क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

7 न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने पर सभी दल सहमत : रीजीजू

## फर्स्ट टेक

### वेतनभोगियों के लिए आईटीआर- 2 दाखिला शुरू

**नई दिल्ली/भाषा।** आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि आयकरदाता अपने रिटर्न फॉर्म – आईटीआर–2 विभाग के ई–फाइलिंग पोर्टल पर आज से दाखिल कर सकते हैं। विभाग की ओर से जारी एक सूचना में कहा गया है कि ई– फाइलिंग पोर्टल पहले से भरे गए डेटा के साथ आईटीआर –2 ऑनलाइन माध्यम से दाखिल करने के लिए चालू हो चुका है। आईटीआर–2 फॉर्म उन व्यक्तियों और अविभाजित हिंदू परिवारों (एचयूएफ ) में के लिए है जो 'व्यापार या पेशे से लाभ और प्राप्ति' को छोड़ कर अन्य स्रोतों से आय प्राप्त करते हैं। इस तरह वेतन और पेंशन तथा मकान के किराए (एक से अधिक मकान ) जैसे स्रोतों से आय कमाने वाले व्यक्ति पहले से भरे डेटा वाले आईटीआर–2 फॉर्म भरने के पात्र हैं।

### यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए

**ब्रसेल्स/एपी।** यूरोपीय संघ (ईयू) और ब्रिटेन ने रूस पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़ाते हुए मॉस्को के ऊर्जा क्षेत्र, पुराने तेल टैंकरों के बेड़े और सैन्य खुफिया सेवा के कर्मियों को शुक्रवार को नये प्रतिबंधों से निशाना बनाया। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा, ''संदेश साफ है : यूरोप यूक्रेन का समर्थन करने में पीछे नहीं हटेगा। यूरोपीय संघ तब तक दबाव बढ़ाता रहेगा, जब तक रूस अपना युद्ध समाप्त नहीं कर देता।'' कालास की यह टिप्पणी यूरोपीय संघ के तेल की कीमतों पर नई सीमा लागू करने सहित अन्य नये उपायों पर सहमति जताने के बाद आई। उन्होंने कहा कि यह तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध के संदर्भ में ''रूस के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध पैकेज'' है।

### अंडमान सहकारी बैंक घोटाला : पूर्व कांग्रेस सांसद कुलदीप शर्मा गिरफ्तार

**पोर्ट ब्लेयर/भाषा।** आपराधिक अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने पूर्व कांग्रेस सांसद कुलदीप राय शर्मा को अंडमान एवं निकोबार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड (एएनएससीबीएल) ऋण अनियमितता मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पूर्व में एएनएससीबीएल के अध्यक्ष रह चुके शर्मा को पोर्ट ब्लेयर के एक निजी अस्पताल से गिरफ्तार किया गया, जहां उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण भर्ती कराया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''शर्मा को कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के चलते डॉ. रितिकाज डायग्नोस्टिक सॉल्यूशन्स मल्टी–स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सुबह अधिकारियों की एक टीम निजी अस्पताल गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।''

19-07-2025 सूर्यास्त 6:39 बजे | 20-07-2025 सूर्योदय 5:51 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 81,757.73 | 24,968.40 |
| (-501.52) | (-143.05) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | 127,000 रु. प्रति किलो |

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### गंदे बयान

टिक रही सियासत मज़हब पर,
हतप्रभ हिंदु और मुसलमान।
जब हैं सब ही हिंदुस्तानी,
फिर क्यों देते नेता बयान।
वोटों के दलबाजों हरगिज,
ना बोलो तुम फिरकी जुबान।
है मुल्क सभी का भारत ही,
'जय हिंद' सभी का यशोगान।।

# पूर्वी भारत के विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मोतिहारी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर करारा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि उसने नौकरियों के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए यह आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत के विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने नया नारा दिया, बनाएंगे नया बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार।

उन्होंने कांग्रेस–राष्ट्रीय जनता दल(राजद) गठबंधन पर गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने अतीत में राज्य की उपेक्षा के लिए विपक्षी गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बिहार की धरती से ऑपरेशन सिंदूर' का संकल्प लिया था और दुनिया ने इसकी सफलता देखी है। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए कहा, राजद युवाओं को रोजगार देने के बारे में सोच भी नहीं सकता, क्योंकि उन्होंने (राजद नेताओं) नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में राजद–कांग्रेस शासन के दौरान विकास कोसों दूर था।

प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने कभी गरीबों की भलाई के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने केवल गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति की। युवाओं के लिए और अधिक अवसरों का वादा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश भर में नौकरियां और रोजगार के अवसर मुहैया करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

### मोदी ने टीएमसी पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया

**दुर्गापुर/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए, उस पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठ को बढ़ावा देकर बंगाली अस्मिता और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया और कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीति की ''सारी हद पार कर दी है।'' मोदी ने राज्य में तेल एवं गैस, बिजली, रेल और सड़क क्षेत्रों में 5,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने भाजपा को नये बंगाल का अग्रदूत बताया और कहा, ''भाजपा के पश्चिम बंगाल के लिए बड़े सपने हैं। हम एक समृद्ध, विकसित बंगाल का निर्माण करना चाहते हैं। यहां शुरू की जा रही सभी परियोजनाएं उस सपने की दिशा में एक कदम है।''

तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में बंगाल के आर्थिक माहौल की तीखी आलोचना करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य उद्योग और निवेशकों के लिए अनुपयुक्त हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''तृणमूल कांग्रेस का 'गुंडा टैक्स' बंगाल में निवेश को रोक रहा है। राज्य के संसाधन माफिया के हाथों में चले गए हैं और सरकारी नीतियां मंत्रियों को भ्रष्टाचार में लिप्त करने के लिए तैयार की गई हैं।''

दुर्गापुर में एक जनसभा में मोदी ने भाजपा को एकमात्र ऐसी पार्टी बताया, जो बंगाली अस्मिता का वास्तव में सम्मान और रक्षा करती है। उन्होंने ''झूठ, अराजकता और लूट'' के शासन का अंत करने का भी आह्वान किया।

## विकास कार्य के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री

# सिद्दरामय्या ने विधायकों को 50 करोड़ रुपए देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने विधायकों को पत्र लिखकर घोषणा की है कि उनके विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। सत्तारूढ़ कांग्रेस सहित सभी विधायकों में अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए धन आवंटन की कमी को लेकर असंतोष है। सिद्दरामय्या ने 15 जुलाई को विधायकों को लिखे पत्र में कहा, वर्ष 2025–26 के राज्य के बजट में घोषित मुख्यमंत्री बुनियादी ढांचा विकास कार्यक्रम के तहत आपके विधानसभा क्षेत्र को 50 करोड़ रुपये का विशेष अनुदान आवंटित किया जाएगा।

इसमें कहा गया है, कार्यों के लिए अनुदान की राशि इस प्रकार निर्धारित की गई है। लोक निर्माण विभाग, सड़क और पुल कार्य, ग्रामीण सड़क व पुल और शहरी क्षेत्र के कार्य: 37.50 करोड़ रुपये। अन्य विभागीय कार्य, जिन्हें विधानसभा के सदस्य अपने विवेक से चुन सकते हैं: 12.50 करोड़ रुपये। विधायकों को अपने मांग पत्र के साथ एक निर्दिष्ट प्रारूप में कार्यों का विवरण मुख्यमंत्री को उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

## शराब 'घोटाला' मामले में

# ईडी ने भूपेश बघेल के बेटे को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रायपुर/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को शराब घोटाले से जुड़े एक कथित धनशोधन मामले में गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दुर्ग जिले के भिलाई शहर में भूपेश बघेल के आवास पर छापेमारी के बाद उनके बेटे चैतन्य बघेल को धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया। पिता–पुत्र दोनों एक ही जगह रहते हैं। घर के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे, जबकि कुछ पार्टी समर्थक भी एकत्र थे।

भूपेश बघेल ने बताया कि शुक्रवार को चैतन्य का जन्मदिन है।

चैतन्य को गिरफ्तार करने के बाद ईडी ने उन्हें रायपुर की एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया । अदालत ने उन्हें पांच दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया।

केंद्रीय एजेंसी के अधिवक्ता सौरभ कुमार पांडेय ने संवाददाताओं को बताया कि चैतन्य बघेल को विशेष न्यायाधीश (धन शोधन निवारण अधिनियम–पीएमएलए) की अदालत में पेश किया गया और ईडी ने उनकी पांच दिनों की हिरासत मांगी। पांडेय ने बताया कि अदालत ने 22 जुलाई तक चैतन्य को हिरासत भेज दिया।

### छांगुर बाबा और उनके सहयोगियों को विदेश से 60 करोड़ रुपए की धनराशि मिली : ईडी

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसे पता चला है कि उत्तर प्रदेश में कथित अवैध धर्मांतरण गिरोह से जुड़े धन शोधन के एक मामले में जांच के घेरे में आए छांगुर बाबा को 22 बैंक खातों में 60 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हुई थी। इसमें विदेश से प्राप्त हुई बड़ी धनराशि भी शामिल है। संघीय जांच एजेंसी ने छांगुर बाबा के पैतृक जिले बलरामपुर में एक दर्जन से अधिक ठिकानों और मुंबई में दो जगहों पर छापेमारी पूरी करने के बाद एक बयान जारी करके यह जानकारी दी। ये छापे बृहस्पतिवार को मारे गए।

छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन उर्फ करीमुल्ला शाह के खिलाफ धन शोधन का मामला हाल ही में उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा लखनऊ के गोमती नगर स्थित एक पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई एक प्राथमिकी पर आधारित है।

छांगुर बाबा, उसके बेटे महबूब और उसके कथित सहयोगियों नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन और नीतू उर्फ नसरीन को एटीएस ने गिरफ्तार किया था। वे वर्तमान में जेल में बंद हैं। एटीएस की शिकायत में गैरकानूनी धर्मांतरण, विदेशी धन के उपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों से जुड़ी एक 'बड़े पैमाने' की साजिश का आरोप लगाया गया है।

# आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर अमल कर रहा है भारत : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि वर्तमान समय में भारत आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने) की नीति पर सख्ती से अमल कर रहा है। उन्होंने संसद भवन में दक्षिण कोरिया के पूर्व प्रधानमंत्री किम बू क्यूम के नेतृत्व वाले एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान भारत की इस नीति को दोहराया।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकवादी हमले की निंदा की और कहा कि इस प्रकार की जघन्य घटनाएं अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अंतरात्मा को झकझोर देती हैं।

लोकसभा अध्यक्ष का कहना था कि पाकिस्तान द्वारा अपनी धरती पर मौजूद आतंकी ढांचे के खिलाफ कार्रवाई न करने के कारण भारत ने जवाब दिया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दी, जिसके तहत भारत की प्रतिक्रिया संतुलित, उकसावे से रहित और केवल आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने तथा खतरों को समाप्त करने पर केंद्रित थी।

बिरला ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को सख्ती से लागू किया जा रहा है, जिसके लिए सशक्त कानून और सक्षम संस्थाएं कार्यरत हैं।'' उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में दक्षिण कोरिया से निरंतर समर्थन की आशा व्यक्त की।

# अगर खरगे और राहुल के भाषण से अतिक्रमणकारियों को उकसाया गया तो दोनों के खिलाफ कार्रवाई होगी : हिंमत बिश्व शर्मा

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यदि पुलिस को ये पता चलता है कि कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के भाषणों ने पैकन आरक्षित वनक्षेत्र में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए अतिक्रमणकारियों को उकसाया है, तो पुलिस दोनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में ''नहीं हिचकिचाएगी।'' शर्मा ने यह भी कहा कि विपक्षी दल अगले साल होने वाला राज्य विधानसभा चुनाव एकमात्र इस एजेंडे के साथ लड़ने की तैयारी कर रहा है कि उन्हें सलाखों के पीछे डाला जाए।

बृहस्पतिवार देर शाम पार्टी की एक बैठक में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, शर्मा ने कहा, ''खरगे और गांधी का असम दौरा कोई मुद्दा नहीं है। लेकिन अपनी बैठक में उन्होंने अतिक्रमणकारियों और 'भूमि जिहादियों' को सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने के लिए खुलेआम प्रोत्साहित किया।''

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने बुधवार को असम का दौरा किया था, जिस दौरान उन्होंने यहां राज्य के शीर्ष पार्टी पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में चर्चा की थी और बाद में गुवाहाटी से 40 किलोमीटर दूर चायगांव में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था।

### देश में सामान्य से नौ प्रतिशत अधिक बारिश : आईएमडी

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत में इस मानसून ऋतु में अब तक सामान्य से नौ प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है, लेकिन यह पूरे देश में समान रूप से नहीं हुई है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, झारखंड, राजस्थान और लद्दाख जैसे कुछ राज्यों में सामान्य से कहीं अधिक बारिश हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, एक जून से 16 जुलाई के बीच देश में 331.9 मिमी बारिश हुई, जो इस अवधि की सामान्य वर्षा 304.2 मिमी से लगभग नौ प्रतिशत अधिक है, लेकिन यह औसत बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय विभिन्नता को इंगित नहीं करता। आईएमडी के मुताबिक, झारखंड में सामान्य से 71 प्रतिशत अधिक बारिश हुई, यहां सामान्यतः 348.9 मिमी बारिश होती है, जबकि यहां अबतक 595.8 मिमी बारिश हुई है।

## जयशंकर ने युवाओं को जीवन के सबक बताए; कहा-

# बातचीत के लिए आपको प्रतिद्वंद्वियों से आगे सोचना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** युवाओं को वैश्विक घटनाक्रमों में दिलचस्पी लेने का संदेश देते हुये विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि आज के छात्रों के लिए जो दुनिया इंतजार कर रही है, वह पूरी तरह से अलग होने के साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसी प्रौद्योगिकियों से प्रभावित है।

दिल्ली में द एयर फोर्स स्कूल (टीएएफएस) के 70वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इस परिसर में आकर वह भावविभोर महसूस कर रहे हैं, क्योंकि उनकी बहुत सारी पुरानी यादें ताजा हो गईं।

स्कूली शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, स्कूल में हमें जो सिखाया जाता है, वह हमारे जीवन में बहुत काम आता है। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं कि मैंने जीवन में कैसा काम किया, तो मैं पाता हूं कि मैंने इनमें से बहुत से गुणों को आत्मसात किया। जयशंकर ने एक अनुभवी राजनयिक के रूप में अपने अनुभव का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि स्कूलों में सीखे गए सबक और कौशल पेशेवर जीवन में भी काम आते हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपना अधिकांश जीवन कूटनीति की दुनिया में बिताया है और कूटनीति में आप हर समय बातचीत करते रहते हैं। बातचीत करने के लिए आपको अपने प्रतिस्पर्धियों से कहीं बेहतर तैयारी और सोच–विचार करना होता है। आप उनसे तभी बेहतर तैयारी और सोच–विचार कर सकते हैं, जब आप उन गुणों को अपने अंदर समाहित कर लें, जो शिक्षक हममें डालने का प्रयास करते हैं, यानी अपना होमवर्क करें, उसे समझें, तैयारी करें और भावी घटनाओं का पूर्वानुमान लगाने का प्रयास करें।

# अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत को सतर्क रहने, सूझबूझ से काम करने की जरूरत : रघुराम राजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत के दौरान भारत को खासकर कृषि क्षेत्र को लेकर 'बहुत सतर्क' रहने और 'सूझबूझ' के साथ काम करने की जरूरत है। राजन ने पीटीआई–वीडियो से बातचीत में कहा कि विकसित देश कृषि क्षेत्र को काफी सब्सिडी देते हैं और यह हमें ध्यान रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर फिलहाल छह–सात प्रतिशत के दायरे में स्थिर हो गई है। हालांकि वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं के चलते इसमें थोड़ी गिरावट हो सकती है।

राजन ने कहा, ''कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यापार समझौते काफी जटिल हो जाते हैं क्योंकि हर देश अपने उत्पादकों को सब्सिडी देता है। भारत के उत्पादक अपेक्षाकृत छोटे हैं और उन्हें कम सब्सिडी मिलती है। ऐसे में यदि कृषि उत्पादों का निर्बाध आयात होने लगे तो इससे हमारे किसानों को नुकसान हो सकता है।'' भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर इस सप्ताह वाशिंगटन में पांचवें दौर की बातचीत हुई है।

**कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यापार समझौते काफी जटिल हो जाते हैं क्योंकि हर देश अपने उत्पादकों को सब्सिडी देता है। भारत के उत्पादक अपेक्षाकृत छोटे हैं और उन्हें कम सब्सिडी मिलती है। ऐसे में यदि कृषि उत्पादों का निर्बाध आयात होने लगे तो इससे हमारे किसानों को नुकसान हो सकता है।**

भारत अमेरिकी प्रशासन की तरफ से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को हटाए जाने की मांग कर रहा है। इसके अलावा भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम पर लगे 50 प्रतिशत और वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क से राहत देने की मांग रखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता इंडोनेशिया के साथ हुए समझौते की तर्ज पर ही होगा। इसका मतलब है कि कृषि क्षेत्र में आयात की अनुमति देने एक अहम मुद्दा बनने जा रहा है।

# ईडी ने भूपेश बघेल के बेटे को 'शराब घोटाला' मामले में गिरफ्तार किया, पांच दिन की हिरासत में भेजे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रायपुर/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी। दुर्ग जिले के भिलाई शहर में चैतन्य बघेल के घर पर छापेमारी के बाद उनको धन शोधन रोधी अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया। पिता-पुत्र दोनों एक ही जगह रहते हैं। घर के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। कुछ पार्टी समर्थक भी वहां जमा थे। भूपेश बघेल ने कहा कि आज चैतन्य का जन्मदिन है। सूत्रों के अनुसार, एक विशेष पीएमएलए (पीएमएलए) अदालत ने चैतन्य को पांच दिन की ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) हिरासत में भेज दिया है।

सूत्रों ने बताया कि चैतन्य बघेल को धन शोधन रोधी अधिनियम की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया क्योंकि मामले में नये सबूत मिलने के बाद की गई छापेमारी के दौरान वह कथित तौर पर सहयोग नहीं कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि चैतन्य बघेल से कथित रूप से जुड़ी कंपनियों को कथित शराब घोटाले से अर्जित लगभग 17 करोड़ रुपये की अपराध आय प्राप्त हुई। 1,070 करोड़ रु. की धनराशि के साथ ही चैतन्य बघेल की भूमिका भी एजेंसी की जांच के दायरे में है। ईडी ने दावा किया कि घोटाले के परिणामस्वरूप राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और शराब सिंडिकेट के लाभार्थियों की जेबों में 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम गई।

बघेल (63) ने 2एक्स' पर एक संदेश पोस्ट किया जिसमें कहा गया कि विधानसभा सत्र के आखिरी दिन ईडी उनके घर आयी है, जब रायगढ़ जिले की तमनार तहसील में अदाणी समूह की कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठाया जाना था। बघेल के कार्यालय द्वारा जारी संदेश में कहा गया है, आज राज्य विधानसभा (मानसून) सत्र का आखिरी दिन है। तमनार में अदाणी के लिए पेड़ काटे जाने का मुद्दा (सदन में) उठाया जाना था, साहेब ने ईडी को भिलाई निवास भेज दिया है। भूपेश बघेल ने इस महीने की शुरुआत में तमनार तहसील का दौरा किया था और स्थानीय ग्रामीणों को समर्थन दिया था, जो क्षेत्र में एक कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे हैं। यह खदान महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) को आवंटित है, जिसने एमडीओ (खदान विकासकर्ता सह संचालक) का ठेका अदाणी समूह को दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने यह भी कहा कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, लेकिन उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है और वे उनके साथ सहयोग करेंगे। कांग्रेस विधायकों ने चैतन्य की गिरफ्तारी के विरोध में आज छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार किया और एजेंसी पर विपक्ष को परेशान करने की कोशिश का आरोप लगाया। संघीय जांच एजेंसी ने 10 मार्च को चैतन्य बघेल के खिलाफ इसी तरह की छापेमारी की थी। इस मामले में, ईडी ने जनवरी में पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता कवासी लखमा के अलावा रायपुर के महापौर एवं कांग्रेस नेता एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, भारतीय दूरसंचार सेवा अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी और कुछ अन्य लोगों को इस जांच के तहत गिरफ्तार किया था।

# दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेज को मिली बम की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेजों को शुक्रवार सुबह बम से उड़ाने की धमकियां ईमेल के जरिए भेजी गईं जिसके बाद छात्रों और अभिभावकों में दहशत फैल गई। इस हफ्ते यह चौथा दिन है जब राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिली हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस और विभिन्न त्वरित प्रतिक्रिया प्राधिकारियों ने तलाश और निकासी अभियान चलाया।

इन संस्थानों को ईमेल के माध्यम से धमकियां मिलने पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्तों के साथ तथा अग्निशमन विभाग के कर्मी स्कूलों और कॉलेजों की ओर रवाना हुए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों से प्राप्त नवीनतम जानकारी के अनुसार जिन तीन कॉलेजों को ऐसी धमकियां मिली हैं, वे हैं इंद्रप्रस्थ (आईपी) महिला कॉलेज, हिंदू कॉलेज और उत्तरी दिल्ली स्थित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी)। इससे पहले कई जिलों के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। द्वारका में छह स्कूलों – सेंट थॉमस स्कूल, जीडी गोयनका स्कूल, डीआईएस एज स्कूल, मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल, द्वारका इंटरनेशनल स्कूल और ला पेटिटे मोंटेसरी के प्रशासन ने धमकियां मिलने की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद, इन स्कूलों में बचाव अभियान शुरू किया गया। पुलिस के अनुसार ईमेल में कहा गया, ''नमस्ते। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैंने स्कूल के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण (ट्राईनाइट्रोटोल्यूइन) रखे हैं। विस्फोटकों को काले प्लास्टिक बैग में बड़ी कुशलता से छिपाया गया है।'' पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया कि हालांकि द्वारका के स्कूलों में अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। इसी तरह रोहिणी में सेक्टर 3 में एमआरजी स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेक्टर 24 में सॉवरेन पब्लिक स्कूल और हेरिटेज पब्लिक स्कूल, सेक्टर 9 में दिल्ली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, सेक्टर 3 में अभिनव पब्लिक स्कूल और हेरिटेज स्कूल के अधिकारियों को परिसर में विस्फोटक उपकरणों की मौजूदगी वाला ईमेल मिलने के बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया जिसके बाद स्कूल को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। पीतमपुरा (मैक्सफोर्ट जूनियर स्कूल और गुरु नानक स्कूल) और पश्चिम विहार (रिचमंड स्कूल और दून पब्लिक स्कूल) के स्कूलों में भी ऐसे ईमेल प्राप्त होने के बाद तनाव का माहौल रहा। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, साइबर कर्मियों ने अपना काम शुरू कर दिया है और इन खतरों के स्रोत का पता लगा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी के अन्य हिस्सों के स्कूलों में भी इसी तरह की गहमा-गहमी रही। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, आज 20 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है!

## छात्र और अभिभावक दहशत में

## राहुल गांधी ने एके एंटनी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/कोल्लम/भाषा।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व रक्षा मंत्री ए के एंटनी से शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक यह गांधी की एंटनी से शिष्टाचार भेंट थी। एंटनी ने 2022 में राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद सक्रिय संसदीय राजनीति छोड़ दी थी और अपने गृह राज्य केरल चले गए थे। कांग्रेस के अनुभवी नेता 1970 से केरल विधानसभा के सदस्य रहे और तीन बार (1977, 1995 और 2001 में ) राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं।

रायबरेली से लोकसभा सदस्य गांधी बृहस्पतिवार को केरल पहुंचे थे। वह कोट्टयम जिले के पुथुप्पल्ली में पार्टी द्वारा आयोजित स्मृति सभा में शामिल हुए। यह सभा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता ओमन चांडी की दूसरी पुण्यतिथि पर आयोजित की गई थी। उन्होंने कोल्लम के पारावुर में सी वी पद्मराजन के परिवार से भी मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

करुणाकरण और ए के एंटनी नीत सरकार में पद्मराजन मंत्री रहे और उन्होंने कई विभागों की जिम्मेदारी संभाली थी। वह केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के पूर्व अध्यक्ष भी थे।उनका बुधवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''कोल्लम के पारावुर में श्री सी वी पद्मराजन जी के परिवार से मुलाकात की और अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। केरल और कांग्रेस पार्टी के लिए उनके योगदान को हमेशा गहरे सम्मान के साथ याद किया जाएगा।'' उन्होंने अपनी यात्रा की तस्वीरें भी साझा कीं।

## स्वर्ण मंदिर को उड़ाने की धमकी वाले ईमेल पर फरीदाबाद से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हिरासत में

**अमृतसर/भाषा।** शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को स्वर्ण मंदिर को उड़ाने की धमकी देने वाले पांच ई-मेल भेजने के मामले में फरीदाबाद से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शुभम दुबे (24) को पकड़ा गया है और उससे 14 जुलाई को एसजीपीसी को भेजे गए पहले धमकी भरे ई-मेल के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दुबे का लैपटॉप और फोन भी जब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि दुबे के पास बीटेक की डिग्री है और वह कई कंपनियों में काम कर चुका है। आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि इंजीनियर का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने पंजाब पुलिस की साइबर अपराध शाखा और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की मदद से दुबे को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

## टाटा पावर रिन्यूएबल को एनएचपीसी से बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** टाटा पावर की अनुषंगी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने एनएचपीसी लि. के साथ अपने पहले बैटरी ऊर्जा भंडारण खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इसके तहत कंपनी को सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी से 30 मेगावाट / 120 मेगावाट घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना मिली है।

टीपीआरईएल ने शुक्रवार को बयान में कहा कि केरल राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड इस बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) परिसंपत्ति के अंतिम उपयोगकर्ता है। इस परियोजना को प्रतिस्पर्धी बोली के जरिए एनएचपीसी के बीईएसएस चरण-ख निविदा के तहत हासिल किया गया है। इस परियोजना के तहत केरल में 220 केवी सबस्टेशन पर 30 मेगावाट/120 एमडब्ल्यूएच (मेगावाट घंटा) बैटरी भंडारण प्रणाली स्थापित करना शामिल है। इसका मतलब है कि 30 मेगावाट भंडारण क्षमता चार घंटे तक का बैकअप प्रदान कर सकती है। टीपीआरईएल ने कहा कि यह उसका पहला बैटरी ऊर्जा भंडारण खरीद समझौता (बीईएसपीए) है। यह 12 वर्षीय बीईएसपीए के तहत संचालित होगा। इस परियोजना को 15 महीनों के भीतर चालू करने की योजना है। भंडारण की यह परियोजना चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड की मजबूती के लिहाज से महत्वपूर्ण है। यह परियोजना केरल में बिजली की अधिकतम मांग को पूरा करने, ग्रिड मजबूती को बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा के निर्बाध एकीकरण को सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

## मुझे किया गया है नजरबंद : मीरवाइज

**श्रीनगर।** हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने दावा किया कि उन्हें लगातार दूसरे शुक्रवार को नजरबंद रखा गया है। मीरवाइज ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, लगातार दूसरे शुक्रवार को भी मुझे घर में नजरबंद रखा गया है। मेरे घर की ओर जाने वाली हर गली और सड़क पर बैरिकेड लगा दिये गये जिससे पड़ोसियों को भी असुविधा हो रही है।'' हुर्रियत नेता को '1931 के शहीदों' की याद में 13 जुलाई को आयोजित होने वाले समारोह से दो दिन पहले 11 जुलाई को नजरबंद कर दिया था।

उन्होंने कहा, ''मैं शासकों को स्पष्ट कर दूं कि हमारे शहीदों की स्मृति को उनके द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता। यह हमारे दिलों में बसती है। लॉकडाउन लगा करके और लोगों को शहीदों के कब्रिस्तानों में जाने से रोककर या मुझे शुक्रवार को जामा मस्जिद जाने से रोककर तथा तुष्टीकरण के विमर्शों या शर्मनाक सांप्रदायिक विकृतियों से तथ्यों और इतिहास को नहीं मिटाया जा सकता, अगर यह लोगों की सामूहिक स्मृति में बसती है, जो कि यह है।'' उन्होंने कहा, 13 जुलाई 1931 के शहीद कश्मीर में राजनीतिक आंदोलन के अग्रदूत थे, यह उत्पीड़न के विरुद्ध जनता का न्यायोचित संघर्ष था। वे हमारी प्रेरणा हैं और रहेंगे। वर्ष 1931 में श्रीनगर केंद्रीय कारागार के बाहर डोगरा सेना द्वारा मारे गए 22 लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए जम्मू कश्मीर में 13 जुलाई को 'शहीद दिवस' मनाया जाता है। उपराज्यपाल प्रशासन ने 2020 में इस दिन को राजपत्रित छुट्टियों की सूची से हटा दिया था।

## रिलायंस रिटेल ने केल्विनेटर का करीब 160 करोड़ रुपये में किया अधिग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रिलायंस रिटेल ने समूचे भारत में तेजी से बढ़ते प्रीमियम' घरेलू उपकरणों के बाजार में अपनी वृद्धि को गति देने के लिए केल्विनेटर के अधिग्रहण की शुक्रवार को घोषणा की। इसका सौदा मूल्य करीब 160 करोड़ रुपये आंका गया है।

रिलायंस रिटेल ने पहले इलेक्ट्रोलक्स होम प्रोडक्ट्स इंक से लाइसेंस के तहत केल्विनेटर ब्रांड का इस्तेमाल किया है। यह ब्रांड भारत में रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, एयर कूलर और वाशिंग मशीन सहित कई उत्पादों की पेशकश करता है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा एम. अंबानी ने कहा, केल्विनेटर का अधिग्रहण एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमें भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्वसनीय वैश्विक नवाचारों की हमारी पेशकश को महत्वपूर्ण रूप से व्यापक बनाने में सक्षम बनाता है। यह हमारे बेजोड़ पैमाने, व्यापक सेवा क्षमताओं और बाजार में अग्रणी वितरण नेटवर्क के जरिये समर्थित है। रिलायंस रिटेल ने हालांकि अधिग्रहण के मूल्य का खुलासा नहीं किया, लेकिन इलेक्ट्रोलक्स ग्रुप ने 2025 की दूसरी तिमाही के लिए अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कहा कि इसकी परिचालन आय में भारत में केल्विनेटर ट्रेडमार्क खंड के 18 करोड़ एसईके (स्वीडन मुद्रा) यानी करीब 160 करोड़ रुपये के विनिवेश का प्रभाव शामिल है...'' रिलायंस रिटेल ने कहा कि केल्विनेटर ब्रांड के अधिग्रहण से भारत के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता टिकाऊ क्षेत्र में कंपनी की अग्रणी स्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

कंपनी ने कहा कि केल्विनेटर की नवाचार की समृद्ध विरासत को रिलायंस रिटेल के विस्तृत खुदरा नेटवर्क के साथ जोड़ कंपनी उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मूल्य प्राप्त करने और समूचे भारत में तेजी से बढ़ते प्रीमियम घरेलू उपकरणों के बाजार में विकास को गति देने के लिए तैयार है। यह तालमेल सुनिश्चित करेगा कि उच्च गुणवत्ता वाले, वैश्विक रूप से मानकीकृत उत्पाद हर भारतीय परिवार तक पहुंच सकें जिससे उनके दैनिक जीवन में सुधार हो।

## आरएसएस और माकपा के पास लोगों के लिए कोई संवेदना नहीं : राहुल गांधी

**कोट्टायम/भाषा।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दोनों संगठनों में आम लोगों के प्रति कोई संवेदना नहीं है। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी की दूसरी पुण्यतिथि पर पुथुपल्ली में आयोजित एक स्मृति सभा में राहुल गांधी ने कहा, मैं आरएसएस और माकपा से वैचारिक स्तर पर लड़ता हूं, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत यह है कि इन दोनों को लोगों की कोई परवाह नहीं है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति लोगों के प्रति सहानुभूति नहीं रखता, उनसे जुड़ाव नहीं रखता है, या उन्हें गले नहीं लगाता, तो वह नेता नहीं बन सकता। उन्होंने कहा, तो, यही मेरी सबसे बड़ी शिकायत है। अगर आप राजनीति में हैं, तो महसूस करें कि लोग क्या सोच रहे हैं, उनकी बातें सुनें और उनसे संवाद करें। आज भारतीय राजनीति की असली त्रासदी यह है कि बहुत कम लोग ही वह महसूस कर पा रहे हैं जो दूसरे लोग महसूस कर रहे हैं।

## 'द वेल्थ कंपनी' को म्यूचुअल फंड कारोबार में उतरने की मंजूरी मिली

**नई दिल्ली/भाषा।** पूंजी बाजार नियामक सेबी ने 'द वेल्थ कंपनी एसेट मैनेजमेंट होल्डिंग्स' को म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने की अंतिम मंजूरी दे दी है। पैंटोमैथ समूह की कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि उसे 18 जुलाई, 2025 को सेबी से एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के रूप में पंजीकरण का प्रमाणपत्र मिला। इसके साथ ही 'द वेल्थ कंपनी' के लिए भारत के 74 लाख करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड उद्योग में कदम रखने का रास्ता साफ हो गया है। वह 'द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड' के नाम से कारोबार करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि म्यूचुअल फंड कारोबार में उतरने का उद्देश्य देश भर खासकर छोटे शहरों एवं कस्बों के खुदरा निवेशकों के लिए संपत्ति सृजन को लोकतांत्रिक बनाना है। द वेल्थ कंपनी की संस्थापक, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी मधु लुनावत ने कहा, हम गुणवत्तापूर्ण और परिणाम-उन्मुख उत्पादों के जरिये निवेशकों को सशक्त बनाना चाहते हैं, विशेष रूप से उन बाजारों में जो अब तक बड़े स्तर पर निवेश सेवाओं से अछूते रहे हैं। वर्तमान में देश में लगभग 50 म्यूचुअल फंड कंपनियां सक्रिय हैं।

## असम के पांच जिलों में सूखे जैसी स्थिति

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के पश्चिमी हिस्से के पांच जिलों में सूखे जैसी स्थिति है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने प्रभावित जिलों को अधिसूचित करने को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है और राजस्व विभाग सूखे जैसी स्थिति की औपचारिक घोषणा करेगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, मौसम विभाग और भूजल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिमी असम के पांच जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। शर्मा ने कहा कि इन जिलों में 40 प्रतिशत कम बारिश हुई है और जिन किसानों ने फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसलों का बीमा कराया था, वे दिशानिर्देशों के अनुसार मुआवजे के पात्र होंगे।

## महाराष्ट्र में इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर किये जाने की घोषणा की

**मुंबई/भाषा।** महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि सांगली जिले के इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर किया जा रहा है। यह घोषणा राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के अंतिम दिन की गई।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने विधानसभा को बताया कि यह निर्णय बृहस्पतिवार को कैबिनेट की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कैबिनेट के फैसले को मंजूरी के लिए केंद्र को भेजेगी।

## राजा रघुवंशी हत्याकांड

## अदालत ने प्रॉपर्टी डीलर सिलोम जेम्स को जमानत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शिलांग/भाषा।** मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले की एक अदालत ने इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में गिरफ्तार प्रॉपर्टी डीलर सिलोम जेम्स को शुक्रवार को जमानत दे दी। जेम्स के वकील देवेश शर्मा ने यह जानकारी दी। जमानत पर सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये हुई। शर्मा ने कहा कि सोहरा उप-मंडल के प्रभारी, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट डीकेके मिहसिल ने इंदौर के प्रोपर्टी डीलर जेम्स को जमानत दी।

मेघालय पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में सिलोम जेम्स के आवास पर छापेमारी के दौरान राजा रघुवंशी की गायब हुई सोने की चेन समेत महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए थे। मेघालय पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए जेम्स और दो अन्य सह-आरोपियों, लोकेन्द्र सिंह तोमर और बलबीर अहिरवा पर न्यायिक कार्यों में बाधा डालने और इंदौर के एक फ्लैट में साक्ष्यों से छेड़छाड़ करने के आरोप हैं, जहां राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम और उसका प्रेमी राज कुशवाहा ठहरे थे। तोमर और अहिरवा को अदालत ने 13 जुलाई को जमानत दे दी थी।

पत्नी सोनम के साथ 'हनीमून' मनाने मेघालय गए इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी 23 मई को लापता हो गए थे। दो जून को ईस्ट खासी हिल्स जिले के सोहरा इलाके में एक गहरी खाई में उनका क्षत-विक्षत शव मिला था। राजा और सोनम की शादी 11 मई को हुई थी। सोनम और राज कुशवाहा पर राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने और तीन हत्यारों – आकाश राजपूत, विशाल सिंह चौहान और आनंद कुर्मी को सुपारी देने का आरोप है। सोनम, राज कुशवाहा और गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

# भुवनेश्वर के निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में आग, 60 से अधिक लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार को आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना के दौरान कॉलेज परिसर में मौजूद छात्रों सहित 60 से अधिक लोगों को दमकल कर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाला। यह घटना शहर के जगमारा क्षेत्र में स्थित कॉलेज में प्रशिक्षण सत्र के दौरान घटी। अग्निशमन दलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बहुमंजिला इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकाला। अग्निशमन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रमेश चंद्र माझी ने कहा, हमने लगभग 60 लोगों को बचाया और उन्हें पास के अस्पताल में भेजा है।

उन्होंने कहा, आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि प्रभावित लोगों को 10 एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने कहा, कुछ लोगों को मामूली रूप से झुलसे हैं। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भुवनेश्वर के जगमारा इलाके में एक निजी कॉलेज के सभागार में आग लग गई। यह आग दूसरी मंजिल पर लगी थी, जिस पर काबू पा लिया गया है।

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग ने तुरंत कार्रवाई की और तीसरी मंजिल से लगभग 65 छात्रों को बचाया गया।

# पांडिचेरी विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के अंतर्गत दो अग्रणी अनुसंधान केंद्रों का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी. प्रकाश बाबू ने दो शोध केंद्रों के उद्घाटन की घोषणा की, जो इतिहास विभाग के तत्वावधान में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करेंगे।

एक शैक्षणिक समारोह में बोलते हुए, कुलपति ने इतिहास विभाग को दो शोध केंद्रों के प्रस्ताव के लिए बधाई दी, जो वर्तमान भौतिकवादी दुनिया में अद्वितीय और सामाजिक रूप से प्रासंगिक हैं। आगमिक अध्ययन और भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र का उद्देश्य मध्यकालीन भारतीय समाज में मंदिरों की गतिशील भूमिका और समाज के निम्न वर्ग की व्यावसायिक कलाओं और शिल्पों के विकास और विस्तार में आगमिक ग्रंथों की भूमिका का अध्ययन करना है। आगमिक ग्रंथ मध्यकालीन काल में सतत विकास में योगदानकर्ताओं के रूप में उनकी भूमिका को उजागर करने में भी मदद करते हैं, जो समकालीन समय में सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन में सीखने के लिए सबक प्रदान कर सकते हैं।

दक्षिण भारत की मंदिर संस्कृति, जो आज भी इतनी जीवंत और समृद्ध है, अपने निर्माताओं के इंजीनियरिंग कौशल और भूवैज्ञानिक ज्ञान का प्रमाण है, जिन्होंने ऐसे भव्य मंदिरों का निर्माण किया, जो बार-बार आने वाले चक्रवातों के कहर को झेल पाए। उन्होंने घोषणा की कि दोनों डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश जल्द ही शुरू होंगे।

बैठक के गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए, इतिहास विभाग के प्रमुख प्रोफ़ेसर एन. चंद्रमौलि ने कई भारतीय और विदेशी विद्वानों के योगदान पर प्रकाश डाला, जिन्होंने 2023 में तांत्रिक धर्म पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया था, जो कि आगमिक अध्ययन और भारतीय ज्ञान प्रणालियों के केंद्र की स्थापना के विचार के अंकुरण में था। उन्होंने तांत्रिक अध्ययन की एक प्रमुख प्रतिपादक और तंत्र फाउंडेशन, नई दिल्ली की संस्थापक ट्रस्टी प्रोफ़ेसर मधु खन्ना को उनके बधाई संदेश के लिए धन्यवाद दिया, जिसमें उन्होंने कुलपति को आगमिक अध्ययन केंद्र के उद्घाटन के लिए बधाई दी थी। प्रोफ़ेसर एन. चंद्रमौलि ने कुलपति को अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालने और दोनों केंद्रों का उद्घाटन करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने अनुसंधान केंद्रों के पाठ्यक्रम और संगठनात्मक ढांचे को तैयार करने में उनके साथ मिलकर काम करने के लिए इतिहास विभाग के संकाय को भी धन्यवाद दिया। इतिहास विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रुमन बनर्जी ने शैल कला एवं संज्ञानात्मक अध्ययन केंद्र और उसके डिप्लोमा कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताया। सामाजिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संकाय के डीन, प्रो. जी. चंद्रिका ने एक तमिल संत की कहानी का हवाला देते हुए आगमिक मंदिरों के आध्यात्मिक पहलुओं पर प्रकाश डाला, जिन्होंने अपने विचारों में एक मंदिर बनाया और उसमें ईश्वर को स्थापित किया, जबकि संरचनात्मक मंदिर बनाने वाले अन्य संत उनमें ईश्वर को नहीं पा सके। यह आध्यात्मिक मुक्ति के अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने में आगमिक विचारधारा में मन और आत्मा के महत्व को दर्शाता है।

सम्मान भाषण देते हुए, श्री अरबिंदो सोसाइटी, पांडिचेरी के सदस्य सचिव डॉ. किशोर कुमार त्रिपाठी ने दो शोध केंद्रों की स्थापना के लिए इतिहास विभाग को बधाई दी और भारतीय ज्ञान प्रणालियों के महत्व पर प्रकाश डाला तथा डिप्लोमा कार्यक्रमों के संचालन में पांडिचेरी विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करने का वादा किया। इतिहास विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रुमन बनर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

# नाबार्ड तमिलनाडु ने चेन्नई में स्थापना दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के तमिलनाडु क्षेत्रीय कार्यालय ने 18 जुलाई को चेन्नई में अपना 44 वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु सरकार के आईटी एवं डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. पलानीवेल त्याग राजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) की अध्यक्ष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) की प्रमुख सलाहकार डॉ. सौम्या स्वामीनाथन मुख्य अतिथि थीं। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ बैंकरों, राज्य सरकार के अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों, किसानों और विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान, मंत्री पलानीवेल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में निवेश की सांकेतिक इकाई लागत पर एक पुस्तिका का विमोचन किया। यह पुस्तिका बैंकरों के लिए राज्य में दीर्घकालिक फसल ऋणों के लिए वित्त की मात्रा निर्धारित करने और किसानों के लिए यह जाँचने हेतु एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है कि क्या वित्तपोषण पर्याप्त है। कृषि वस्तुओं की ट्रेसेबिलिटी स्थापित करने हेतु एक मोबाइल ऐप का भी मंत्री द्वारा शुभारंभ किया गया। मृदा स्वास्थ्य की बहाली, जलवायु लचीलापन, जलग्रहण विकास, कावेरी डेल्टा सिंचाई प्रणाली की बहाली और कृषि क्षेत्र की नवीन पहलों में नाबार्ड के हस्तक्षेपों पर वीडियो वृत्तचित्र जारी किए गए।

नाबार्ड तमिलनाडु क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक आर. आनंद ने अपने संबोधन में तमिलनाडु में नाबार्ड के संचालन का अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें व्यावसायिक और विकास पहल शामिल थीं। मुख्य महाप्रबंधक ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान तमिलनाडु में बुनियादी ढाँचे के निर्माण और कृषि पुनर्वित्त के लिए ₹ 50,000 करोड़ से अधिक का वितरण किया गया, जो भारत में किसी भी राज्य को नाबार्ड द्वारा दी गई सबसे अधिक राशि है। भारतीय रिज़र्व बैंक के महाप्रबंधक वी. श्रीनिवासन ने भी इस कार्यक्रम में अपने विचार रखे।

**बैठक** — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को कोयम्बटूर में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में कोयंबटूर के प्रमुख महाविद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गइ।। इस बैठक में शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों ने शिक्षा क्षेत्र के विकास और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने सबको आश्वासन दिया कि उनके विचार की अच्छी तरह जल्द ही समाधान निकाला जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, राष्ट्रीय बीजेपी महासमिति सदस्य एवं पूर्व राज्य भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई, भाजपा राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष एवं कोयम्बटूर विधायक वनाती श्रीनिवासन सहित अनेक भाजपा नेता उपस्थित थे।

# लंबी बीमारी के बाद फिल्ममेकर वेलु प्रभाकरन का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक और अभिनेता वेलु प्रभाकरन का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को निधन हो गया। वह 68 वर्ष के थे। उनके परिवार ने एक बयान जारी कर कहा, हमें यह बताते हुए गहरा दुख है कि मशहूर फिल्ममेकर वेलु प्रभाकरन 18 जुलाई को लंबी बीमारी के बाद हमेशा के लिए हमें छोड़कर चले गए।

वेलु प्रभाकरन तमिल सिनेमा में अपनी बेबाक कहानियों और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते थे। उनकी फिल्में 'नलया मनीथन', 'कदवुल', 'पुराचिक्कारन' और 'कधल कधई' ने नास्तिकता, जाति और जेंडर जैसे गंभीर विषयों को बेबाकी से पेश किया। उनकी फिल्मों ने दर्शकों से तारीफ के साथ-साथ आलोचना भी बटोरी। साल 1980 के दशक से लेकर अपने अंतिम समय तक वह सिनेमा जगत में सक्रिय रहे और नई पीढ़ी के फिल्ममेकर्स के लिए प्रेरणा बने।

वेलु प्रभाकरन की खासियत थी कि वह कम संसाधनों में भी बेहतरीन फिल्में बनाते थे। उनके करीबी बताते हैं कि वह हमेशा नए तरीके अपनाते थे। एक बार उन्होंने केवल मोमबत्तियों की रोशनी में सीन शूट किया था, जो उनकी रचनात्मकता का उदाहरण है। उनकी फिल्में न केवल कला का प्रदर्शन थीं, बल्कि सिनेमा के पारंपरिक नियमों को चुनौती देने का भी माध्यम थीं। वेलु प्रभाकरन का बेहतरीन नजरिया और कहानी कहने की खास शैली उन्हें तमिल सिनेमा में हमेशा याद रखने योग्य बनाती है। उनके निधन से सिनेमा जगत में शोक की लहर है।

परिवार ने बताया कि वेलु प्रभाकरन के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए शनिवार शाम से रविवार दोपहर तक वालासरावक्कम के श्रीकृष्णा नगर स्थित व्हाइट हाउस में रखा जाएगा, जहां दोस्त, प्रशंसक और फिल्म इंडस्ट्री के लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकते हैं। अंतिम संस्कार रविवार शाम को पोरूर श्मशान घाट पर होगा, जिसमें परिवार और करीबी लोग शामिल होंगे।

# बीआईएस कोयंबटूर ने 'वैज्ञानिक से मिलें' कार्यक्रम आयोजित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) कोयंबटूर शाखा कार्यालय ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, कोयंबटूर के सहयोग से 17 जुलाई को गवर्नमेंट बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल, ओंदीपुदूर और रथिनापुरी, ईएलजीआई मैट्रिकुलेशन स्कूल के छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया।

वैज्ञानिक-डी रिनो जॉन एस ने अपने उद्घाटन भाषण में, मानकों के माध्यम से युवाओं को मानकों और गुणवत्ता की अवधारणा के बारे में शिक्षित करने में बीआईएस के प्रयासों और मानक शिक्षा के माध्यम से विज्ञान की अवधारणाओं को समझने में एलएसवीएस पाठ योजनाओं की भूमिका पर ज़ोर दिया।

क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, कोयंबटूर के जिला विज्ञान अधिकारी अखिलन ने छात्रों, खासकर सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए, इस तरह के एक लाभकारी कार्यक्रम को तैयार करने के लिए बीआईएस के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

छात्रों ने भी अपने सीखने के अवसर की सराहना की। कुल मिलाकर, इस सत्र ने मानकों पर शिक्षा के माध्यम से विज्ञान सीखने में छात्रों की रुचि को आकर्षित किया। इस कार्यक्रम में 180 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

# गुरुवायुर देवस्वओम ने श्रद्धालुओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ चेताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुरुवायूर/भाषा।** केरल के प्रसिद्ध गुरुवायुर मंदिर के अधिकारियों ने श्रद्धालुओं को उन ऑनलाइन धोखेबाजों से दूर रहने को कहा है, जो खुद को मंदिर में दर्शन कराने और प्रसाद चढ़वाने वाले एजेंट के रूप में पेश कर रहे हैं। गुरुवायुर देवस्वओम के अध्यक्ष डॉ वी के विजयन ने मंदिर के आधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि किसी भी निजी एजेंसी या व्हाट्सऐप समूह को मंदिर की ओर से दर्शन की व्यवस्था कराने या भुगतान लेने के लिए अधिकृत नहीं किया गया है।

देवस्वओम को एक भक्त से शिकायत मिली थी कि उसे इस तरह के एक व्हाट्सऐप समूह ने धोखा दिया है, इसके बाद संगठन के अध्यक्ष ने यह चेतावनी जारी की है।

विजयन ने कहा, गुरुवायुर देवस्वओम द्वारा किसी भी एजेंसी को दर्शन की व्यवस्था करने या प्रसाद के लिए धन इकट्ठा करने के वास्ते अधिकृत नहीं किया गया है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से सतर्क रहने का आग्रह किया और मंदिर अधिकारियों से ऐसी किसी भी घटना की रिपोर्ट करने में संकोच नहीं करने के लिए कहा। भगवान कृष्ण को समर्पित गुरुवायुर मंदिर, भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थाटनों में से एक है, जहां हर दिन देश भर के हजारों श्रद्धालु आते हैं।

# टीवीएस मोटर ने अपाचे आरटीआर 310 का 2025 संस्करण पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** दोपहिया और तिपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी बेहद लोकप्रिय मोटरसाइकिल 2025 अपाचे आरटीआर 310' सीसी को 'प्रदर्शन-केंद्रित' उन्नत विशेषताओं के साथ पेश किया है।

कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि उसने साथ ही ग्राहकों को 'बिल्ट-टू-ऑर्डर' सुविधा भी प्रदान की है। बयान के अनुसार, 2025 टीवीएस अपाचे आरटीआर' आधार संस्करण की शुरुआती कीमत 2,39,990 रुपये और सबसे महंगे संस्करण की कीमत 2.57 लाख रुपये है।

'बिल्ट-टू-ऑर्डर' संस्करण के तहत ग्राहक के ऑर्डर देने के बाद विशिष्ट खूबियों से लैस मोटरसाइकिल तैयार की जाती है। शहर में मुख्यालय वाली कंपनी ने बयान में कहा कि 'बिल्ट टू ऑर्डर' मोटरसाइकिल की कीमत 2.75 लाख रुपये से शुरू होती है। यह दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलूरु और चेन्नई सहित प्रमुख महानगरों में उपलब्ध होगी।

टीवीएस मोटर के प्रीमियम खंड के कारोबार प्रमुख विमल सुंबली ने कहा, टीवीएस अपाचे आरटीआर 310 अपनी शुरुआत से ही एक नया चलन शुरू करने वाली रही है। 2025' संस्करण के साथ, हम भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकी, सहज डिजिटल इंटरफेस, अनोखी स्टाइलिंग और राइडर सुरक्षा को एकीकृत करके इसकी साहसिक विरासत का निर्माण कर रहे हैं।

# गुम्मडीपुंडी में लोहे के कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** शहर से लगभग 45 किलोमीटर दूर गुम्मडीपुंडी 'सिपकॉट' (एसआईपीसीओटी) औद्योगिक क्षेत्र में लोहे के एक कबाड़ भंडारण गोदाम में शुक्रवार को भीषण आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आग से कोई हताहत नहीं हुआ। दमकल तथा बचाव सेवा के कर्मचारी आग बुझाने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को संदेह है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। आगे की जांच जारी है।

**शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग**

# अगली कैबिनेट बैठक में बेंगलूरु भगदड़ पर समिति की रिपोर्ट पर चर्चा होगी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मैसूरु।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि चार जून को बेंगलूरु में हुई भगदड़ की जांच के लिए सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय आयोग की जांच रिपोर्ट पर अगली कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी। इस भगदड़ में 11 लोग मारे गए थे। मुख्यमंत्री रिपोर्ट के निष्कर्षों को साझा करने के इच्छुक नहीं थे। उन्होंने कहा कि मंत्रियों को अगली कैबिनेट बैठक से पहले अध्ययन के लिए इसका सार दे दिया गया है।

उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जॉन माइकल कुन्हा की अध्यक्षता वाले आयोग ने 11 जुलाई को सिद्दरामय्या को दो खंडों वाली रिपोर्ट सौंपी और इसे बृहस्पतिवार को कैबिनेट की बैठक के दौरान उनके समक्ष रखा गया। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, इस पर अभी तक कैबिनेट में चर्चा नहीं हुई है। कुन्हा समिति की रिपोर्ट कल कैबिनेट को सौंप दी गई। रिपोर्ट का सार सभी मंत्रियों को दे दिया गया है। वे इसका अध्ययन करेंगे और अगली कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मीडिया ने कुछ बातें खबरों में कही हैं... मैं अगली कैबिनेट बैठक के बाद इसके बारे में बोलूंगा। 4 जून को बेंगलूरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर यह भगदड़ हुई थी, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु टीम की आईपीएल जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े थे। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कथित सामूहिक हत्या, बलात्कार और सामूहिक तौर पर दफन किए जाने की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के तत्काल गठन की मांग करने वाले उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश वी गोपाल गौड़ा सहित कई लोगों की मांग पर एक सवाल का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पुलिस विभाग की रिपोर्ट के आधार पर कानून के अनुसार मामले में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, अगर जरूरी हुआ तो एसआईटी का गठन किया जाएगा। यह पुलिस विभाग की रिपोर्ट पर आधारित होगी। वह व्यक्ति (चश्मदीद गवाह, एक पूर्व सफाई कर्मचारी जिसने दावा किया था कि उस इलाके में सैकड़ों शव दफनाए गए थे), 10 साल से फरार था, उसने अब पुलिस के सामने बयान दिया है और जो कुछ भी कहना था कह दिया है। उसने कहा है कि उसने ही शवों को दफनाया है और वह उस जगह को दिखाएगा जहां शव दफनाए गए हैं। देखते हैं पुलिस एक-दो दिन में क्या कहती है। इस मामले में सरकार पर किसी तरह का दबाव न होने की बात कहते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, अगर दबाव डाला भी गया तो हम उसकी परवाह नहीं करेंगे, हम कानून के अनुसार काम करेंगे।

# इंडियन ओवरसीज बैंक चालू वित्त वर्ष में 4,000 करोड़ रुपये जुटाएगा: प्रबंध निदेशक श्रीवास्तव

**चेन्नई।** सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने चालू वित्त वर्ष के दौरान क्यूआईपी सहित विभिन्न माध्यमों से 4,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय कुमार श्रीवास्तव ने यहां बताया कि धन जुटाने की प्रस्तावित योजना के साथ इस बैंक में भारत सरकार की हिस्सेदारी मौजूदा 94 प्रतिशत से घटकर 90 प्रतिशत रह जाएगी।

उन्होंने बैंक के वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करने के बाद संवाददाताओं से कहा, पिछले साल हमने मार्च में लगभग 1,440 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस साल हम लगभग 4,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए हम विभिन्न प्राधिकरणों से उनकी मंज़ूरी के लिए बात कर रहे हैं। पूंजी जुटाने के लिए किस तरह के साधनों का इस्तेमाल किया जाएगा, इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह मिला-जुला होगा। इसका अधिकांश हिस्सा क्यूआईपी (पात्र संस्थागत नियोजन) के माध्यम से होगा। इसके साथ ही भारत सरकार की शेयरधारिता 94 प्रतिशत से घटकर 90 प्रतिशत रह जाएगी। कोष जुटाने की उम्मीद के बारे में एक अन्य सवाल के जवाब में श्रीवास्तव ने कहा, उम्मीद है कि यह तीसरी तिमाही के अंत या चौथी तिमाही तक हो जाएगा। इंडियन ओवरसीज बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 76 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,111 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बैंक ने 633 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

# पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार मामले में विशेष अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** विशेष जनप्रतिनिधि अदालत ने हासन के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ दायर बलात्कार के चार मामलों में से एक में सुनवाई पूरी कर शुक्रवार को अपना फैसला 30 जुलाई के लिए सुरक्षित रख लिया। यह मामला हासन जिले के होलेनरसिपुरा की एक घरेलू सहायिका की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

रेवन्ना इस मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जिसकी पड़ताल विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की गई थी और बाद में इसे सीआईडी को सौंप दिया गया था। पुलिस निरीक्षक शोभा ने जांच का नेतृत्व किया और 26 गवाहों के बयान दर्ज करते हुए एक विस्तृत आरोपपत्र दाखिल किया। मुकदमे के दौरान, अदालत ने रेवन्ना और सभी 26 गवाहों का परीक्षण किया। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष दोनों ने आरोपपत्र की विषयवस्तु के आधार पर अपनी दलीलें पेश कीं। विशेष लोक अभियोजक ने दलील दी कि सबूतों से स्पष्ट रूप से आरोपी का दोषी साबित होता है, जबकि रेवन्ना की कानूनी टीम ने जमानत का अनुरोध करते हुए अभियोजन पक्ष के दावों का खंडन करने का प्रयास किया। हालांकि, रेवन्ना को जमानत नहीं मिल पाई है। उनकी याचिकाएं स्थानीय अदालत, कर्नाटक उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज कर दी गई थीं।

# शिक्षा का भगवाकरण नहीं भारत का प्रकटीकरण : त्रिवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जयपुर/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डा सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के शिक्षा के पाठ्यक्रम में परिवर्तन (भगवाकरण) को लेकर उठाये जा रहे सवाल पर पलटवार करते हुए कहा है कि यह भगवाकरण नहीं, भारत का प्रकटीकरण है।

डा त्रिवेदी शुक्रवार को यहां भाजपा की प्रदेश स्तरीय मीडिया कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने

कहा वर्ष 1947 में अंग्रेजों से आजादी मिली, वर्ष 1977 में हम राजनीतिक रूप से आजाद हुए, 1990 के दशक में हम सांस्कृतिक रूप से आजाद हुए और आज हम वैचारिक लोकतंत्र के रूप में स्थापित हुए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और वामपंथी लोगों ने पाठ्यक्रमों में इस तरह की विषय वस्तु शामिल करवाई, जिससे भारतीय होने पर ग्लानि और हिन्दू होने पर शर्म महसूस होती हो। क्या कारण है कि महाराणा प्रताप को हारा हुआ पढ़ाया जाता रहा, क्या महाराणा प्रताप युद्ध क्षेत्र में वीर गति को प्राप्त हो गए थे, क्या उन्हें बंदी बना लिया गया था, क्या उन्होंने टैक्स देना स्वीकार किया था, तो फिर कैसे महाराणा प्रताप की पराजय का इतिहास हमारी युवा पीढ़ी को पढ़ाया गया। राणा सांगा के बारे में लुटेरों के लिखें झूठ को इतिहास बनाकर क्यों पढ़ाया गया। आज कांग्रेस के लोग शिक्षा के पाठ्यक्रम में परिवर्तन को लेकर सवाल उठा रहे है कि भगवाकरण हो रहा है, यह भगवाकरण नहीं, भारत का प्रकटीकरण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में गुलामी की मानसिकता को स्वीकार करने एवं उसे पुष्पित पल्लवित करने का काम हुआ वहीं भाजपा की सरकारों में भारतीय विचार से प्रेरित 'स्व का तंत्र' स्थापित कर देश का गौरव बढ़ाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद स्थापना से लेकर प्रेरणा तक भारतीय होने वाली भाजपा के शासन को विदेशी समाचार पत्र संडे गार्जियन ने भी भारत का नियति से दूसरी बार साक्षात्कार बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कुशल नेतृत्व ही है कि भारत आज अर्थव्यवस्था और स्टॉक एक्सेंज में चौथे नंबर पर है, आटोमोबाइल एवं एयरलाइंस में तीसरे नंबर पर है, मोबाइल निर्माण पर दूसरे नंबर पर है और डिजिटल पेमेंट के मामले में केवल पहले नंबर पर ही नहीं है बल्कि दूनिया का 48 प्रतिशत पेमेंट जो अमेरिका तथा चीन को मिलाकर भी ज्यादा होता है। उन्होंने कहा कि यह वामपंथी मानसिकता ही है जिसने व्यापारियों को बेईमान कहा और लुटेरों को सम्मान दिया। इन विदेशी मानसिकता के इतिहासकारों ने आर्य से लेकर आलू, गोभी, मिर्च -टमाटर तक बाहर से आया बता दिया।

उन्होंने देश में जो अच्छा था उसे बाहर से आया हुआ, जो बुरा था उसे हमारी मानसिकता करार दिया। बुराइयों के लिए हम ही जिम्मेदार हो गए, जब आक्रांताओं के अत्याचार प्रमाण सहित सामने रखे जाते है तो झूठ फैलाया जाता है कि आक्रांताओं को हमने ही बुलाया था। उन्होंने कहा कि बप्पा रावल तुर्की तक गए, हमें नहीं पढ़ाया गया, पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गजनी को 17 बार हराया, वह नहीं पढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि डिस्कवरी आफ इंडिया में गजनी की मथुरा यात्रा का जिक्र करते हुए नेहरू ने उसे कला प्रेमी बता दिया, वहीं महमूद गजनी के दरबारी इतिहासकार अल उतबी ने 'तारीख-ए-यामिनी' नामक पुस्तक में लिखा है कि गजनी ने मथुरा की इमारतों एवं मंदिरों की भव्यता को देखकर कहा था कि ये इंसान की बनाई नहीं हो सकती, इसे देवताओं ने बनाया है, इसलिए इन्हें जमीदोज कर दिया जाए। क्यों देश से नेहरू ने यह सच छुपाया और आक्रांताओं का महिमा मंडन किया।

त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेता हिन्दू धर्म पर असहिष्णुता के आरोप लगाते है, 2001 में जब महाकुंभ हुआ, तब सोनिया गांधी ने कुंभ में स्नान किया, केंद्र में अटलजी की सरकार, उत्तर प्रदेश में राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री थे किसी ने भी उन्हें नहीं रोका था। इस वर्ष महाकुंभ में 60 लाख विदेशी आए और स्नान किया। श्रद्धा से महाकुंभ को देखा, उनसे किसी ने नहीं पूछा कि तुम्हारा धर्म क्या है, पर श्री राहुल गांधी एक बार बिना धर्म परिवर्तन किए हज यात्रा करके दिखा दें। उनको सहिष्णुता और असहिष्णुता में अंतर पता चल जाएगा।

# प्रतिभा का उपयोग राष्ट्रहित में हो : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जयपुर/भाषा।** राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) को समाज का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ सीए ही होते है और जब देश के सभी सीए मिलकर राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करेंगे तो वर्ष 2040 तक विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत का पहला स्थान होगा।

देवनानी शुक्रवार को यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जयपुर में पहली बार हो रहे सीए स्टूडेंट टैलेंट सर्च ग्रैंड फिनाले-2025 'समर्थ' का शुभांरभ करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीएसटी आने के बाद उद्योगपति समूह में सीए की आवश्यकता प्रतिपादित हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुदृढ़ आर्थिक नीतियों के कारण भारत विश्व में आर्थिक शक्ति के रूप में चौथे नंबर आ गया है। निकट भविष्य में भारत विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिभा को मंच मिलना ही भविष्य निर्माण की पहली सीढ़ी है। सीए जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का यह संगम निश्चित ही प्रेरणादायी है। संख्या और संस्कृति जब मिलती हैं, तब व्यक्तित्व संपूर्ण बनता है। प्रतिभा केवल अंकपत्रों में नहीं होती, वह आत्मा की भाषा होती है। इस मंच से निकलने वाली युवा प्रतिभाओं की ऊर्जा भविष्य के भारत को नया आकार देगी।

देवनानी ने कहा कि उनका जीवन का अधिकांश समय विधार्थियों के साथ निकला है। उनके मन में भी सीए बनने की चाहत थी। देशभर से आये सीए विधार्थियों का देवनानी ने गुलाबी नगर जयपुर में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सीए अपनी प्रतिभा का उपयोग राष्ट्रहित में करें। जैसा चल रहा है, वैसा ही चलता रहेगा ऐसी सोच वाली प्रवृति ठीक नहीं है। सभी आगे बढ़े, तरीके से आगे बढ़े, मिलकर आगे बढ़े और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्रहित में अपनी प्रतिभा का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि भारत की सुदृढ़ आर्थिक नीतियों के कारण विश्व में राष्ट्र की धाक जमने लगी है। हमें इस प्रगति को निरंतर बनाये रखने में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि विश्व का कोई देश नहीं चाहता कि भारत सिरमोर बनें। इसलिये देश को आगे बढ़ाने में राष्ट्र का प्रत्येक व्यक्ति अपने प्रोफेशन के साथ राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने में योगदान करें। राष्ट्र के लिये अपनी प्रतिभा का विस्तार करें और उसका उपयोग करें। श्री देवनानी ने कहा कि अनुभव और मेहनत से सफलता मिलती है। सफलता के लिये समय प्रबंधन के साथ अपनी प्रतिभा का सदुपयोग किया जाना आवश्यक है।

# दिलावर ने कोटा जिले में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोटा/भाषा।** राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कोटा जिले के रामगंज मंडी विधानसभा क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण जल भराव और उत्पन्न बाढ़ के हालत का जायजा लिया। दिलावर ने अपने विधानसभा क्षेत्र के सुकेत कस्बे के पीलिया खाल में जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण किया। दिलावर ने नाले के कारण खेतों और बस्ती में पानी भर जाने के कारण अधिकारियों को तुरंत नाले के मौखे बढ़ाने और नाले को चौड़ा करने के निर्देश दिए ताकि बिना रुकावट सुगमता से पानी निकल जाए। वह पैदल ही क्षेत्र का मौका मुआयना करते हुए सुकेत के यादव मौहल्ला पहुंचे जहां गलियों में पानी भरा हुआ था। उन्होंने पानी में उतरकर गलियों जलभराव के हालात का जायजा लिया और लोगों की मुसीबत को समझा।

दिलावर ने अधिकारियों को बंद नाले खोलने और नालों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। साथ ही मौहल्ले वासियों ने बताया कि कब्रिस्तान से सारा पानी बहकर बस्ती में आ रहा है। इस पर दिलावर ने कब्रिस्तान के पानी को दूसरी तरफ डायवर्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुकेत के मेहर मौहल्ला, होली का खुट सहित सभी अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। दिलावर ने सातल खेड़ी सहित अन्य अतिवृष्टि प्रभावित स्थानों का भी दौरा कर हालतों का जायजा लिया और राहत एवं बचाव कार्य के निर्देश दिए।

## प्रेम प्रसंग के चलते युवती की हत्या

**करौली/भाषा।** राजस्थान में करौली में टोडाभीम थाना क्षेत्र में पाड़ला गांव में शुक्रवार को प्रेम प्रसंग के कारण एक युवक ने एक युवती की सिर में पत्थर मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पाड़ला गांव में अंतिमा मीना (20) घर में खाना बना रही थी। उसी दौरान एक युवक खेमचंद वहां आया और उसने अंतिमा के सिर पर पत्थर का वार करके उसकी हत्या कर दी। खेत से लौटने पर उसकी माँ ने अपनी बेटी का शव देखा तो शोर मचाकर लोगों को इकट्ठा किया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव टोडाभीम अस्पताल पहुंचाया और शवगृह में रखवा दिया। मृतका की मां ने हत्या के आरोप में खेमचंद को नामजद कराया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दौसा में बीएसटीसी की पढ़ाई कर रही अंतिमा का आरोपी से प्रेम प्रसंग था। अंतिमा की मां आरोपी से अपनी पुत्री की शादी के लिये तैयार भी थी, लेकिन आरोपी के पिता को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। आरोपी युवक खेमचंद ने अंतिमा से अपने साथ भाग चलने को कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। इस पर खेमचंद ने उसकी हत्या कर दी।

## राजस्थान के अनेक हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान

**जयपुर/भाषा।** मौसम विभाग ने एक अवदाब के क्षेत्र के कारण शुक्रवार को राजस्थान में अनेक जगह भारी से अति भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। इसके अनुसार उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और समीपवर्ती दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश पर बने अवदाब के क्षेत्र के अगले 24 घंटे में उत्तरपश्चिम मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान होते हुए पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। विभाग के अनुसार इस तंत्र के प्रभाव से आज शुक्रवार को कोटा, अजमेर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में भारी, अतिभारी बारिश व कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। विभाग के अनुसार जयपुर, उदयपुर, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। राज्य में 20 जुलाई से भारी बारिश की गतिविधियों में कमी दर्ज होने की संभावना है। विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में राजस्थान के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम व एक दो स्थानों पर भारी से अतिभारी बारिश दर्ज की गई। विभाग के अनुसार सर्वाधिक बारिश सांगोद (कोटा) में 166.0 मिलीमीटर दर्ज हुई।

## राजस्थान की 1638 अदालतों में न्यायिक कामकाज ठप

**जयपुर/भाषा।** राजस्थान में करीब 1638 अधीनस्थ अदालतों में न्यायिक कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश पर जाने से न्यायिक कामकाज ठप हो गया है। चार दिन से भूख हड़ताल कर रहे न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र नारायण जोशी ने शुक्रवार को बताया कि राज्य के 21 हजार न्यायिक कर्मचारी कैडर पुनर्गठन की लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर हैं। ये कर्मचारी पिछले पांच दिनों से जयपुर सत्र न्यायालय परिसर में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारियों में सरकार की अनदेखी को लेकर रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अब तक कोई ठोस वार्ता या समाधान प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिससे नाराज होकर अब पूरे राज्य के न्यायिक कर्मचारी अनिश्चितकालीन अवकाश पर चले गये हैं। इसका सीधा असर न्यायालयों में लंबित मामलों की सुनवाई, आदेशों की निष्पादन प्रक्रिया और अन्य न्यायिक कार्यों पर पड़ रहा है। इस हड़ताल से न्यायिक प्रक्रिया पूरी तरह ठहर गयी है। जोशी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आयी है, लेकिन न्यायिक प्रणाली के प्रभावित होने से आमजन और अधिवक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। न्यायिक कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि जब तक कैडर पुनर्गठन सहित अन्य मांगों पर स्पष्ट और संतोषजनक कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

## छात्राओं के साथ अश्लील वीडियो बनाने वाला अध्यापक हिरासत में

**चित्तौड़गढ़/भाषा।** राजस्थान में चित्तौड़गढ़ बेंगू थाना क्षेत्र में एक सरकारी शिक्षक द्वारा मासूम बालिकाओं का अश्लील वीडियो वायरल करने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार रात बेंगू उपखंड के एक विद्यालय की छात्राओं का अश्लील वीडियो वायरल हुआ जिसमें सरकारी अध्यापक 10 से 12 वर्ष की छात्राओं के साथ विद्यालय में ही अश्लील हरकतें करता दिख रहा है। इस पर आक्रोशित ग्रामीणों ने रात में ही जिला कलेक्टर आलोक रंजन को इस बात की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अध्यापक को उसके गांव तुरकड़ी से हिरासत में ले लिया। आलोक रंजन के निर्देश पर शुक्रवार को सुबह उपखंड अधिकारी मनस्वी नरेश खंड शिक्षा अधिकारियों एवं पुलिस के साथ उक्त विद्यालय पहुंची और पीड़ित छात्राओं, उनके परिजनों एवं ग्रामीणों के अलग-अलग बयान लिये। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी पिछले तीन चार महीने से ये हरकतें कर रहा था। विभाग की ओर से प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

## अहमदाबाद विमान हादसे की

# सच्चाई के लिए बिठाया जाना चाहिए न्यायिक आयोग : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जयपुर/भाषा।** राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि अहमदाबाद विमान हादसे की पूरी सच्चाई सामने लाने एवं हवाई यात्रा पर आमजन का भरोसा जमाने के लिए केन्द्र सरकार को उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग बिठाना चाहिए।

गहलोत ने शुक्रवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस आयोग में भारतीय वायुसेना ने वरिष्ठ अधिकारी एवं एविएशन सेक्टर के विशेषज्ञ शामिल हो जो इस हादसे के हर पहलू की जांच कर सच सामने ला सकें।

इस हादसे पर आई एएआईबी की रिपार्ट के बाद पूरी दुनिया में आशंकाएं बढ़ गई हैं। सबके मन में यह भावना है कि पायलट अपना पक्ष रखने के लिए जीवित नहीं हैं, इसलिए उन्हें आरोपित करना सबसे आसान है। कई एक्सपर्ट की राय है कि इतने अनुभवी पायलट जो पूर्णतः स्वस्थ हैं वो जानबूझकर फ्यूल स्विच बन्द क्यों करेंगे। मैं पूर्व में सिविल एविएशन मंत्री रहा हूं। मेरे मन में भी इस रिपोर्ट को लेकर शंकाएं हैं।

इस हादसे को एक महीना बीत जाने के बाद भी मीडिया, सोशल मीडिया एवं वैश्विक एविएशन जगत में इस हादसे को लेकर तमाम चर्चाएं चल रही हैं। सभी देशवासी उद्वेलित हैं कि इतने लोगों की जान किस कारण गई।

# बाघों के संरक्षण के लिए टाइगर रिजर्व की निगरानी सुदृढ़ करने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जयपुर/भाषा।** राजस्थान के वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार को जैव विविधता संरक्षण एवं बाघों की सुरक्षा को लेकर कटिबद्ध बताते हुए बाघों के संरक्षण के लिए सीसीटीवी, ड्रोन सर्विलांस एवं ई-गश्त प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाते हुए टाइगर रिजर्व की निगरानी को सुदृढ़ किये जाने के निर्देश दिए हैं।

शर्मा शुक्रवार को यहां राज्य में बाघों के संरक्षण एवं टाइगर रिजर्व की प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित राजस्थान बाघ संरक्षण फाउंडेशन के शासी निकाय की तृतीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में एक करोड़ रुपये मूल्य के पेट्रोलिंग वाहन एवं एंटी-पोचिंग कैंप के लिए किए गए एमओयू का अनुमोदन भी किया गया।

शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि रात्रि प्रवास, संवाद कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को टाइगर रिजर्व के नियमों और बाघ संरक्षण के महत्व से अवगत कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि अभयारण्यों में आने वाले पर्यटकों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं, स्वच्छता और रखरखाव की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही विभाग की वेबसाइट को अधिक आकर्षक, तेज़ और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया जाए ताकि पर्यटकों को टिकट बुकिंग एवं अन्य सेवाएं पारदर्शी और सहज रूप से प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं को पर्यावरण एवं वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निःशुल्क भ्रमण कार्यक्रमों की व्यवस्था की जाए। साथ ही अभयारण्यों से जुड़ी सड़कों के मरम्मत एवं चौड़ीकरण कार्यों को भी नियमानुसार शीघ्र पूर्ण किया जाये।

बैठक में बताया गया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए बाड़बंदी, शीघ्र मुआवजा वितरण एवं स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। वन विभाग के कार्मिकों एवं टाइगर रिजर्व से सटे क्षेत्रों के स्थानीय निवासियों के लिए जीवन बीमा भी किये जा रहे है।

बैठक में रणथम्भौर, सरिस्का, रामगढ़ विषधारी, धौलपुर एवं मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में बाघों की वर्तमान संख्या, उनके मूवमेंट पैटर्न, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति, निगरानी व्यवस्था में तकनीकी संसाधनों का उपयोग तथा बाघ संरक्षण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं और भावी रणनीतियों पर चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। साथ ही बाघों के व्यवहार, स्वास्थ्य निगरानी, रेडियो कॉलर ट्रैकिंग एवं कॉरिडोर की स्थिति की गहन समीक्षा की गई।

# नौ लाख रुपये की रिश्वत लेते नारकोटिक्स अधिकारी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़/भाषा। राजस्थान के सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक अफीम तस्कर से जब्त डोडा चूरा मामले में नौ लाख रुपये की रिश्वत लेते नारकोटिक्स विभाग, नीमच के एक अधिकारी एवं उसके दलाल को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि 15 जुलाई को परिवादी ने शिकायत की कि उसके खेत से नारकोटिक्स विभाग, नीमच (मध्यप्रदेश) के दल ने चार सौ किलो अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद किया और उसके परिवार के अन्य सदस्यों को इस मामले में फंसाने की धमकी देते हुए नारकोटिक्स अधिकारी महेंद्र सिंह, निवासी, रिंगस जिला सीकर ने एक करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी है। उसने दलाल जगदीश मेनारिया नामक व्यक्ति से सम्पर्क करने को कहा है।

सूत्रों ने बताया कि सत्यापन के दौरान रिश्वत के नौ लाख रुपये आज श्री सांवलियाजी में देने पर सहमति हो गयी। इस पर ब्यूरो के दल ने जाल बिछाकर सांवलिया जी में सुबह वहां मौजूद दलाल मेनारिया को परिवादी से रिश्वत राशि लेते दबोच लिया। एक अन्य दल ने नारकोटिक्स अधिकारी महेंद्र सिंह को भी पकड़ लिया।

सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में इस रिश्वत कांड में नारकोटिक्स विभाग के अन्य अधिकारी, कार्मिकों एवं क्षेत्र में फैले इनके दलालों की जानकारी मिली है। इस पर उन्हें भी ब्यूरो ने नामजद कर लिया है। सीबीआई का दल दोनों को दोपहर बाद मंडफिया न्यायालय में पेश करके ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ जयपुर ले गया ।

## संदिग्ध हालत में व्यक्ति की मौत, हत्या की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बारां/भाषा।** राजस्थान में बारां के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत हो गयी।

पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि बालाजी नगर स्थित अन्नपूर्णा माता मंदिर के पास एक मकान में गुरुवार रात एक व्यक्ति का शव मिला। मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले, इससे व्यक्ति की हत्या होने की आशंका है। पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोतवाली पुलिस के मुताबिक अनुज पंकज (55) रात को घर से बाहर निकला था। देर रात एक महिला परिचित ने उसके परिवार को सूचना दी की अनुज की तबीयत खराब है। ऐसे में जब परिजन महिला के घर पहुंचे तो अनुज एक कमरे में बेहोश पड़ा था। परिजन उसे तुरंत राजकीय जिला अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक के शरीर पर नाखून और चोटों के जख्म थे। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

# सोशल मीडिया पर कांवड़ियों को बदनाम करने के प्रयास किए जा रहे : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**वाराणसी/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ियों को लेकर पिछले दिनों हुई घटनाओं के संदर्भ में उनका पुरजोर बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर कांवड़ यात्रियों को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं और उन्हें आतंकी और उपद्रवी तक कहा जा रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, लेकिन यहां 'मीडिया ट्रायल' होता है। कांवड़ियों को बदनाम किया जाता है और खूब उसके बारे में लिखा जाता है। उन्हें उपद्रवी और आतंकवादी तक बोलने का दुस्साहस किया जाता है। यह वह मानसिकता है जो भारत की हर प्रकार की विरासत को अपमानित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं जिन्होंने जनजातीय समुदाय को भारत से अलग करने का प्रयास किया, उन्हें भड़काने का काम किया है तथा उन्हें भारत के खिलाफ संघर्ष करने के लिए उकसाने का हर स्तर पर षड़यंत्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही समुदाय है जो भारत की आस्था का सदैव अपमान करता है और यही लोग सोशल मीडिया मंच पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने तीन वर्ष पहले की एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा, एक जगह

आगजनी की घटना हुई। मैंने कहा कि इस घटना की प्रकृति दिखाती है कि इस समुदाय ने यह घटना नहीं की होगी। मैंने पुलिस से पूरा वीडियो फुटेज निकालने को कहा। फुटेज में सामने आया कि आगजनी करने वाला एक व्यक्ति केसरिया गमछा बांधे हुए था और आगजनी करते समय अचानक उसका गमछा निकला और उसके मुंह से निकल पड़ा या अल्लाह। मैंने कहा, हिंदुओं को बदनाम करने के लिए किस शरारत के तहत केसरिया गमछा बांधकर एक व्यवस्था को अपमानित किया जा रहा है। यह घटना दिखाती है कि ये कौन लोग हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। यह सावन का महीना है तथा इससे ठीक पहले मोहर्रम का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने व्यवस्था बनाई और कहा कि ताजिया की ऊंचाई इससे अधिक नहीं रखना। अधिक ऊंचाई रहने पर आप पेड़ की टहनियां काटने, किसी के मकान का बारजा हटाने, हाईटेंशन तार हटाने की मांग करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, एक आयोजन के लिए हम हाईटेंशन तार, घर का बारजा नहीं हटा सकते और 40-50 वर्ष में तैयार होने वाले वृक्ष की टहनियां नहीं काट सकते। एक बड़े तबके लिए बिजली का तार हटाकर बिजली आपूर्ति बाधित करना उनके साथ अन्याय है जो बिजली के बिल का भुगतान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जौनपुर में उन्होंने (मुसलमानों ने) एक बड़ा ताजिया उठाया और हाईटेंशन की चपेट में आने से तीन लोग मर गए। बाद में उन्होंने रास्ता जाम किया। पुलिस ने पूछा क्या करें, मैंने कहा कि मारकर बाहर करो इनको क्योंकि ये लातों के भूत हैं, बातों से नहीं मानेंगे। इन्होंने कहने के बावजूद ताजिये की ऊंचाई बढ़ाई जिससे ये तार की चपेट में आए। मुख्यमंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश में हमने मोहर्रम के लिए यह व्यवस्था बनाई है कि आप अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं करेंगे।

# जनजातीय समाज हर कालखंड में सनातन धर्म की रक्षा के लिए खड़ा रहा है : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**वाराणसी/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को यहां जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, जब भगवान राम वनवास में थे और माता सीता का अपहरण हुआ, तब उनके पास अयोध्या या जनकपुर की सेना नहीं थी। उस समय जनजातीय समाज ने उनके साथ मिलकर रावण के खिलाफ युद्ध लड़ा। उन्होंने कहा, इसी तरह महाराणा प्रताप ने अरावली के जंगलों में भटकते हुए जनजातीय समाज के सहयोग से अपनी सेना का पुनर्गठन किया और अकबर से युद्ध किया। छत्रपति शिवाजी ने भी वनवासी समाज के सहयोग से हिंदवी साम्राज्य की स्थापना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की कमी रही है कि वे जनजातीय समाज तक शासन की सुविधाएं और संवाद नहीं पहुंचा सकीं लेकिन भाजपा सरकार ने 2017 के बाद जनजातीय गांवों को राजस्व गांव का दर्जा दिया, राशन कार्ड, जमीन के पट्टे और पेंशन जैसी सुविधाएं दीं तथा सोनभद्र, चंदौली, मीरजापुर और नेपाल की तराई में जनजातीय समाज को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा। योगी आदित्यनाथ ने जनजातीय समाज को सनातन परंपरा का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए कहा, यह समाज वेदों की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारता है। हम पेड़ों और नदियों की पूजा करते हैं, लेकिन उन्हें काटने या उन पर कब्जा करने में संकोच नहीं करते। लेकिन जनजातीय समाज ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर वेदों की शिक्षाओं को जीया है। उन्होंने कहा, भारत की परंपरा में यह कभी नहीं कहा गया कि मंदिर जाने वाला या ग्रंथ मानने वाला ही हिंदू है। जो मानेगा, वह भी हिंदू है और जो नहीं मानेगा, वह भी हिंदू है। चार्वाक और भगवान बुद्ध ने वेदों को नहीं माना, फिर भी हमारे लिए पूज्य हैं, तो फिर जनजातीय समाज के साथ यह प्रश्न क्यों खड़ा किया जाता है?

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित करने की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजातीय समाज के मन में विश्वास पैदा किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी सरकार ने कोल जनजाति जैसे समुदायों को योजनाओं से शत-प्रतिशत जोड़ने का काम किया है।

## महिलाओं को रूढिवादी रीति-रिवाजों और परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए : भागवत

**पुणे/भाषा।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है और उन्हें (महिलाओं को) रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र के सोलापुर में गैर-लाभकारी संगठन उद्योगवर्धनी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि महिलाएं किसी भी समाज का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा, एक पुरुष अपनी मृत्यु तक काम करता है। एक महिला भी अंत तक काम करती है, लेकिन उससे भी आगे वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है। एक महिला के प्यार और स्नेह के तले बच्चे बढ़ते और परिपक्व होते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ईश्वर ने महिलाओं को कुछ अतिरिक्त गुण दिए हैं, जिससे वे वह काम कर सकती हैं, जो पुरुष नहीं कर सकते।

साथ ही, ईश्वर ने महिलाओं को वे सभी गुण दिए हैं, जो उन्होंने पुरुषों को दिए हैं, जिसके कारण वे वह सब कुछ कर सकती हैं, जो पुरुष कर सकते हैं।

भागवत ने कहा कि इसलिए पुरुषों का यह दावा करना मूर्खता है कि वे महिलाओं का उत्थान करेंगे। उन्होंने कहा, इस तरह के अहंकार का कोई आधार नहीं है। महिलाओं को वह करने दें, जो वे करना चाहती हैं। बस उन्हें सशक्त बनाएं और उन्हें रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त करें। जब एक महिला खुद का उत्थान करती है, तो वह पूरे समाज को ऊपर उठाती है। आरएसएस प्रमुख ने महिलाओं को सशक्त एवं मजबूत बनाने में उद्योगवर्धिनी के योगदान की सराहना भी की।

## झाड़ग्राम में एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से तीन हाथियों की जान गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**झाड़ग्राम/भाषा।** पश्चिम बंगाल के पश्चिमी मिदनापुर जिले में बांसतला रेलवे स्टेशन के पास एक एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर तीन हाथियों की जान चली गई। हाथियों के दो बच्चों सहित तीनों हाथी पटरी पर कुचलकर मारे गए। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार रात को हुई। जब संभवत: झारखंड के डालमा जंगल से आया हाथियों का झुंड जंगल से गुजर रहा था।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि खड़गपुर-टाटानगर सेक्शन पर तेज गति से आ रही जनशताब्दी एक्सप्रेस ने तीन हाथियों को पटरी पर कुचल दिया। उन्होंने बताया कि उस इलाके से 30 हाथियों का झुंड गुजरने के कारण कुछ समय तक मृत हाथियों के पास तक जाना मुश्किल हो गया था। जांच जारी है।

## राजद ने गरीबों को नौकरी देने से पहले उनकी जमीन हड़प लीं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मोतिहारी/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राजद युवाओं को रोजगार देने के बारे में नहीं सोच सकती क्योंकि इसी पार्टी ने नौकरी देने से पहले गरीब लोगों की जमीन हड़प ली। उन्होंने कांग्रेस-राजद गठबंधन पर गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने नया नारा दिया, बनाएंगे नया बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार। ये सुनकर वहां मौजूद लोग नारे लगाने लगे और पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भर गया और भीड़ के बीच नारे गूंज उठे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बिहार की धरती से ऑपरेशन सिंदूर का संकल्प लिया था और दुनिया ने इसकी सफलता देखी है। प्रधानमंत्री ने कहा, राजद युवाओं को रोजगार देने के बारे में सोच भी नहीं सकती, क्योंकि उसने गरीबों को रोजगार देने से पहले उनकी जमीनें हड़प लीं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में राजद-कांग्रेस शासन के दौरान विकास

कोसों दूर हुआ करता था।

प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने कभी गरीबों की भलाई के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने केवल गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति की। युवाओं के लिए और अधिक अवसरों का वादा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश भर में नौकरियां और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। मोदी ने यह भी कहा कि पूर्वी भारत के समग्र विकास के लिए 'विकसित बिहार' जरूरी है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है।

## प्रधानमंत्री मोदी की सलाह पर मुफ्त बिजली योजना की घोषणा की : नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मोतिहारी/भाषा।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को यह कहा कि राज्य में 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह के अनुरूप लिया गया है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू)अध्यक्ष कुमार ने यह टिप्पणी पूर्वी चंपारण जिले के मुख्यालय मोतिहारी शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए की। इस जनसभा में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंच साझा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर 7,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत की।

बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने वाले कुमार ने बृहस्पतिवार को राज्य में हर महीने 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा, ''लोगों को अब बिजली के लिए कोई भुगतान नहीं करना होगा। सर (प्रधानमंत्री) के जाने के बाद, हम वापस (पटना में) आएंगे और आवश्यक मंजूरी देंगे। यही कारण है कि आज दिन में बाद में कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है।'' कुमार ने आगामी विधानसभा चुनाव जीतने और लगातार पांचवीं बार सत्ता में आने का भरोसा जताया है। उन्होंने

कहा, हम उनका बहुत सम्मान करते हैं और हम उनकी सलाह के अनुरूप काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री कुमार के कई वर्षों में उतार-चढ़ाव वाले संबंध रहे हैं। प्रधानमंत्री ने नीतीश की टिप्पणी का हाथ जोड़कर जवाब दिया। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सैद्धांतिक रूप से मुफ्त की योजनाओं के खिलाफ रही है। हालांकि, उसकी इस घोषणा को राष्ट्रीय जनता दल (राजग) नीत विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस'(इंडिया गठबंधन) की ओर से सत्ता में आने पर 200 यूनिट मुफ्त बिजली'देने के वादे के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री और वित्त विभाग का कार्यभार संभाल रहे भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा, यह कोई मुफ्त की सुविधा नहीं है। यह 100 प्रतिशत सब्सिडी है, जो सरकार उपलब्ध कराएगी।

## कर विभाग ने आईटीआर-दो दाखिल करने के लिए ऑनलाइन सुविधा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कर योग्य पूंजीगत लाभ आय वाले व्यक्ति और हिंदू अविभाजित परिवार अब वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न आईटीआर-2 दाखिल कर सकते हैं। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर लिखा, ''आईटीआर-2 आयकर रिटर्न फॉर्म अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर पहले से भरे हुए आंकड़ों के साथ ऑनलाइन माध्यम से दाखिल किए जा सकते हैं।''

आईटीआर-2 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) द्वारा दाखिल किये जाते हैं, जिन्हें पूंजीगत लाभ से आय होती है, लेकिन व्यवसाय या पेशे से कोई आय नहीं होती है।

पिछले महीने, कर विभाग ने आईटीआर-1 और आईटीआर-4 दाखिल करने के लिए ऑनलाइन सुविधा शुरू की थी, जो छोटे और मझोले करदाताओं के लिए सरल फॉर्म हैं।

सरकार ने पहले ही उन व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा आकलन वर्ष 2025-26 (वित्त वर्ष 2024-25) के लिए आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है, जिन्हें अपने खातों का ऑडिट नहीं कराना है।

## राज्यों को असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई के लिए एक समान योजना बनानी चाहिए : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने कहा कि जेल नियम राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं और उन्हें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई के लिए एक समान नियम बनाने चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित या 70 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों के एक समूह को जेल से रिहा करने का अनुरोध किया गया था। केंद्र ने दावा किया कि इस मुद्दे पर एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की जा चुकी है और यह रिकॉर्ड में मौजूद है। पीठ ने कहा, ''अंततः, जेल नियम सभी राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं। सभी राज्यों को समान जेल नियम बनाना होगा, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई पर विचार करना चाहिए।''

केंद्र की ओर से न्यायालय में उपस्थित अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सरकार असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों को लेकर चिंतित है और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एसओपी में ऐसे कैदियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई है। सरकार ने कहा कि राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ''आम माफी'' के तहत ऐसे कैदियों की रिहाई पर भी विचार कर सकते हैं। पीठ ने ''दुरुपयोग की संभावना'' को चिह्नित करते हुए कहा कि ऐसे कैदियों और रिहाई के लाभ के हकदार लोगों के इलाज के मानक पर दिशानिर्देश होने चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने नालसा की मानक संचालन प्रक्रिया का हवाला दिया और कहा, हमने परिभाषित किया है कि किसे असाध्य रूप से बीमार कैदियों की श्रेणी में रखा जाना चाहिए और इसे संबंधित जेल के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जाएगा। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, चिह्नित करना अलग बात है, लेकिन प्रमाणीकरण ही असली समस्या है। इसके दुरुपयोग की बहुत संभावना है। भाटी ने कहा कि केंद्र की मानक संचालन प्रक्रिया में इसके लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने की बात कही गई है। दिल्ली सरकार की ओर से भी पेश हुए विधि अधिकारी ने कहा कि एक कैदी 1985 से दमा (अस्थमा) से पीड़ित है। नालसा के वकील ने कहा कि केरल में 94 वर्षीय एक कैदी है। पीठ ने उन कैदियों पर भी विचार-विमर्श किया जिन्हें उनके नैसर्गिक जीवन तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, ''जयपुर केंद्रीय कारागार में ऐसे कैदियों की संख्या अनगिनत है जिन्हें बम विस्फोट मामलों में दोषी करार दिया गया है ... उनमें से एक की शायद कुछ महीने पहले ही मृत्यु हो गई। वह एक डॉक्टर थे, जिनकी उम्र 104 वर्ष थी।'' उत्तर प्रदेश सरकार के वकील ने कहा कि राज्य ने 2018 में तैयार की गई अपनी नीति में, असाध्य रोगों से पीड़ित लोगों के लिए कुछ विशिष्ट प्रावधान शामिल किए थे, जिसमें एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का प्रावधान था। पांच मई को, शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर केंद्र और बिहार तथा उत्तर प्रदेश सहित 18 राज्यों से जवाब मांगा था।

## पति से संबंध बनाने से इनकार, विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह करना तलाक का आधार : उच्च न्यायालय

**मुंबई/भाषा।** मुंबई उच्च न्यायालय ने एक परिवार अदालत के तलाक संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली महिला को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना और उस पर विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह करना क्रूरता है, इसलिए यह तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिला के आचरण को उसके पति के प्रति क्रूरता'' माना जा सकता है।

अदालत ने महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने परिवार अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। उक्त आदेश में, पति की तलाक याचिका को मंजूरी दी गई थी। महिला ने याचिका में अपने पति से एक लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ता दिलाने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। इस जोड़े की शादी 2013 में हुई थी, लेकिन दिसंबर 2014 में वे अलग रहने लगे।

## संभल : राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में अगली सुनवाई 25 अगस्त को

**संभल/भाषा।** संभल जिले की एक अदालत ने विवादित बयान मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ अगली सुनवाई की तारीख 25 अगस्त तय की है। एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी।

संभल जिले में चंदौसी स्थित अपर जिला सत्र न्यायाधीश (एडीजे-द्वितीय) आरती फौजदार ने शुक्रवार को बार एसोसिएशन के चुनाव के नामांकन के चलते अदालत में कार्य न होने से मामले की सुनवाई के लिए 25 अगस्त की तारीख तय की।

राहुल गांधी पक्ष के अधिवक्ता सगीर सैफी ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि आज चंदौसी स्थित अदालत में बार एसोसिएशन के नामांकन होने के चलते कामकाज ठप था, जिसके चलते एडीजे द्वितीय आरती फौजदार ने इस मामले में अगली तारीख 25 अगस्त तय की है और उस दिन इस मामले की सुनवाई होगी। याचिकाकर्ता हिंदू शक्ति दल के अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी पर आरोप लगाया है, 15 जनवरी को नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन पर कहा था कि हमारी लड़ाई बीजेपी-आरएसएस से नहीं, 'इंडिया स्टेट' से है।

# न्यायालय ने 'ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' पर प्रतिबंध संबंधी जनहित याचिका अपने पास स्थानांतरित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने अवैध सट्टेबाजी और जुए की गतिविधियों को कथित रूप से बढ़ावा देने वाले 'ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' पर प्रतिबंध लगाने संबंधी चार जनहित याचिकाओं को विभिन्न उच्च न्यायालयों से बृहस्पतिवार को अपने पास स्थानांतरित कर लिया।

न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' की एक स्थानांतरण याचिका पर यह आदेश पारित किया। यह कंपनी एक ऐसे ही 'ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म' का संचालन करती है। पीठ ने अपने आदेश में विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के संबंध में तथ्यात्मक स्थिति का उल्लेख किया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी कि मुंबई उच्च न्यायालय में दो जनहित याचिकाएं लंबित हैं, जबकि तीसरी जनहित याचिका गुजरात उच्च न्यायालय में और चौथी याचिका छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में लंबित है। सिंघवी ने कहा कि अन्य उच्च न्यायालयों से जनहित याचिकाएं मुंबई उच्च न्यायालय में स्थानांतरित की जा सकती हैं।

पीठ ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा, ''इन चारों जनहित याचिकाओं पर इस न्यायालय को सुनवाई करनी चाहिए... हम मुंबई, गुजरात और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालयों को निर्देश देते हैं कि वे सभी रिट याचिकाओं को पूरे रिकॉर्ड के साथ जल्द से जल्द इस न्यायालय में स्थानांतरित करें। इन चारों जनहित याचिकाओं के इस न्यायालय में स्थानांतरित हो जाने के बाद, रजिस्ट्री भारत के प्रधान न्यायाधीश के निर्देशानुसार इस न्यायालय के समक्ष अधिसूचित करेगी।'' एक जनहित याचिका में मूल याचिकाकर्ता सुमित कपूरभाई प्रजापति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल पेश हुए। अग्रवाल ने कहा कि याचिकाओं में उठाए गए मुद्दे एक जैसे नहीं हैं, खासकर छत्तीसगढ़ में, जो जुए से संबंधित विधायी ढांचे पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि केवल एक ही याचिकाकर्ता की उपस्थिति सभी मामलों को एक साथ लाने का आधार नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने 22 मई को कंपनी (प्रोबो मीडिया) की स्थानांतरण याचिका पर नोटिस जारी किया।

पीठ ने तब कहा, ''चूंकि हमने नोटिस जारी कर दिया है और (हम) मूल याचिकाकर्ताओं की बात सुनना चाहते हैं... इसलिए गुजरात उच्च न्यायालय और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में लंबित जनहित याचिकाओं पर फिलहाल सुनवाई नहीं हो सकती।'' ऑनलाइन मार्केट प्लेस जैसे ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को वास्तविक दुनिया की घटनाओं के बारे में पूर्वानुमान लगाने में सक्षम बनाते हैं। प्रतिभागी इस बात पर दांव लगाते हैं कि क्या विशिष्ट परिणाम घटित होंगे, जो आमतौर पर ''हाँ'' या ''नहीं'' प्रश्नों के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

## सुविचार

**बिना पाखण्डी और कायर बने सबको प्रसन्न रखो। पवित्रता और शक्ति के साथ अपने आदर्श पर दृढ रहो और फिर तुम्हारे सामने कैसी भी बाधाएँ क्यों न हो, कुछ समय बाद संसार तुमको मानेगा ही।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# तकनीक का कमाल, भ्रम का जाल!

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा अपने फेसबुक पेज पर की गई एक पोस्ट का ट्रांसलेशन फीचर ने जिस तरह अंग्रेजी अनुवाद किया, उससे भारी भ्रम फैला। बेशक मशीनी अनुवाद से कई काम आसान हो गए हैं, लेकिन एक गलत अनुवाद अर्थ का अनर्थ कर सकता है। इससे लोगों में भ्रम और भय का माहौल बन सकता है। उक्त घटना से जाहिर होता है कि मशीनी अनुवाद पर पूरी तरह निर्भर होने में बहुत जोखिम है। वहां मामूली गलती से बड़ा नुकसान हो सकता है। इन दिनों एआई को 'जादू की छड़ी' की तरह पेश कर इसमें हर समस्या का समाधान ढूंढ़ा जा रहा है। कुछ वर्षों बाद इसकी भी गंभीर खामियां सामने आने लगेंगी। मशीन, सॉफ्टवेयर, एआई आदि का महत्त्व है, रहेगा, लेकिन ये मनुष्य की बुद्धि एवं विवेक का विकल्प नहीं बन सकते। कुछ महीने पहले सोशल मीडिया पर वायरल एक ख़बर ने एआई से जुड़ीं चिंताओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया था। एक एआई टूल का दावा है कि उसकी मदद लेंगे तो किसी भी भाषा में टाइपिंग की जरूरत ही नहीं रहेगी। आप बोलते जाएं, वह हू-ब-हू टाइप कर देगा। उसकी मदद से एक व्यक्ति ने किसी धार्मिक कार्यक्रम की ख़बर लिखी और कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर दी। उसने एआई टूल पर आंखें मूंदकर भरोसा किया था। जब वह ख़बर लोगों तक पहुंची तो भारी हंगामा हो गया, क्योंकि एआई टूल ने दो-तीन जगह घोर आपत्तिजनक एवं अभद्र शब्द लिख दिए थे। दरअसल वह व्यक्ति कुछ शब्दों का सही उच्चारण नहीं करता था। उसने अपनी तरफ से जो शब्द बोले, उन्हें सही समझा। एआई टूल ने उनका अपनी मर्जी से मतलब निकाला और वही टाइप कर दिया। उस व्यक्ति को न तो भाषा का पर्याप्त ज्ञान था और न उसने कभी यह सोचा होगा कि एआई टूल गलती कर सकता है। संबंधित कंपनी इसे तकनीकी गड़बड़ बताकर पल्ला झाड़ सकती है। वहीं, ऐसी घटनाएं हिंसा और उपद्रव की वजह बन सकती हैं।

यह जानकर आश्चर्य होगा कि एक मशहूर सर्च इंजन की अनुवाद सेवा आज भी 'फिजिकल हेल्थ' का अर्थ 'शारीरिक मौत' बताती है! सोचिए, एक गलत अनुवाद स्वास्थ्य के क्षेत्र में कितना बड़ा नुकसान करवा सकता है? पहले, किसी विषय के बारे में जानकारी हासिल करनी होती तो कोई अच्छी किताब ढूंढ़नी पड़ती थी। अब दुनियाभर की जानकारी कुछ ही सेकंडों में मिल जाती है। प्राय: लोग यह जानने की कोशिश ही नहीं करते कि सर्च इंजन जो जानकारी दे रहा है, वह कितनी सही है? हाल के वर्षों में ऐसी कई खबरें पढ़ने को मिलीं, जिनमें इस बात का जिक्र था कि किसी व्यक्ति ने अस्पताल का फोन नंबर ऑनलाइन सर्च किया तो नतीजों में साइबर ठगों का नंबर सबसे ऊपर दिखाई दिया। ठगों ने एक रुपया भेजने का अनुरोध किया और पूरा बैंक खाता खाली कर दिया! किसी ने मिठाई मंगाने के लिए मशहूर दुकान का नंबर सर्च किया और ऑर्डर दे दिया। उधर से कहा गया कि विशेष ऑफर के तहत एक किग्रा मिठाई मुफ्त भेजी जा रही है। इसके लिए एक ऐप डाउनलोड करें। ऐसा करते ही मोबाइल फोन हैक हो गया और ठगों ने पूरी रकम उड़ा ली! ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें लोगों ने हजारों नहीं, लाखों और करोड़ों रुपए गंवाए। पहले, वे सोचते थे कि इतनी बड़ी कंपनी है, जिसमें बड़े-बड़े वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ कार्यरत हैं, जिसका पूरी दुनिया में नाम है, लिहाजा इसका सर्च इंजन जो कुछ बताएगा, सही बताएगा। उन्हें नुकसान उठाने के बाद समझ में आया कि सर्च इंजन पर आने वाली हर चीज सही नहीं होती है। अपनी बुद्धि का इस्तेमाल भी करना चाहिए। तकनीक हमारी मदद करने के लिए है। इसके द्वारा दी गई जानकारी अकाट्य एवं अंतिम सत्य नहीं है। इसकी सीमाएं हैं। इस पर पूरी तरह कभी निर्भर न रहें।

## ट्वीटर टॉक

मोदी जी के नेतृत्व में खेलों के वैश्विक मंच पर भारत की एक नई पहचान बनी है। खेलों के बजट में वृद्धि, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और बीते एक दशक में पदक जीतने की संख्या में भी वृद्धि हुई है।

**-अमित शाह**

संवेदनशील नेतृत्वकर्ता माननीय के मार्गदर्शन में बनी प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना किसानों को नए दौर में ले जाने की क्षमता रखती है। मोदी जी की कैबिनेट द्वारा स्वीकृत की गई यह योजना विकसित भारत-उन्नत किसान को लक्षित करती है। इससे देशभर के अन्नदाताओं को सहयोग और प्रोत्साहन मिलेगा।

**-गजेन्द्र सिंह शेखावत**

सिख सुपरमैन कहे जाने वाले सरदार फौजा सिंह जी का यूँ हमें छोड़ जाना अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने जीवट और अदम्य साहस से यह सिद्ध कर दिया कि मजबूत इरादे उम्र की सभी सीमाएँ पार कर सकते हैं। शतायु पार करने के बाद भी उनका उत्साह युवाओं जैसा था और वे समाजसेवा में भी सदैव अग्रणी रहे।

**-ओम बिरला**

## प्रेरक प्रसंग

# सच्ची लगन सफलता की शर्त है

मैक्समूलर की माँ की हार्दिक इच्छा थी कि उसका बेटा देश का कोई बड़ा अधिकारी बने। एक विधवा होते हुए भी उसने मैक्समूलर की पढ़ाई में कोई कमी नहीं की, लेकिन मैक्समूलर को तो दूसरी ही धुन थी। वह कहता, 'नहीं, माँ मुझे संस्कृत पढ़ना है, पढ़ने दो।' वे संस्कृत के अध्ययन में जुट गए। लिपजिग कॉलेज में अध्ययन के दौरान इन्हें यह आश्चर्य हुआ कि अंग्रेजी के अनेक शब्द संस्कृत से निकले हैं यथा - डॉक्टर-दुहित्र से, फादर-पितर से, मदर-मातृ से, वाइफ-वधु से तथा ब्रदर-भ्रातर से। उन्हें गुरु की खोज में पेरिस जाना पड़ा। पेरिस में बर्नूफ को पाकर उन्हें अत्यनत प्रसन्नता हुई। जब इन्होंने वेद अध्ययन की इच्छा व्यक्त की, तो गुरु ने कहा - 'तुम में प्रतिभा है, लगन है, एकनिष्ठता है। तुम हिन्दू धर्म या वेद दोनों में से किसी एक को अपना जीवन अर्पित कर दो।' मैक्समूलर ने वेद पढ़ने की जब इच्छा व्यक्त की तो गुरु ने दो हिदायतें दीं- वेद का भाष्य करते समय तुम धूम्रपान नहीं करोगे। मूल और भाष्य का एक शब्द एक अक्षर भी नहीं छोड़ोगे नहीं। उन्होंने इन वचनों का दृढ़ता से पालन किया और अपने 27 वर्षों के कठोर श्रम से ऋग्वेद का उद्धार किया, जो ईस्ट इण्डिया कंपनी के संग्रहालय में कैद थे। हिन्दू धर्म के इस पवित्र ग्रन्थ के जीर्णोद्धार का श्रेय इन्हीं विद्वानों को जाता है, जिन्होंने अपने जीवन के लगभग पचास वर्ष भारतीय वांगमय में विचरते हुए बिताया।

## सामयिक

# अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम

**राजेश माहेश्वरी**

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यानी आईएसएस पर 18 दिनों के प्रवास के बाद शुभांशु शुक्ला बीते 15 जुलाई को खुशी और मुस्कुराहट के साथ पृथ्वी पर लौट आए। शुभांशु की इस उपलब्धि के साथ भारत की मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान गगनयान मिशन की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने की तैयारी शुरू हो गई है। बहरहाल ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सर्वप्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर गए और 18 सफल दिनों का अपना मिशन संपन्न कर लौटे हैं। बेशक उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय थे, लेकिन उनका दल पृथ्वी के ही चक्कर काटता रहा। अंतरिक्ष स्टेशन की तब व्यवस्था नहीं थी। इस बार शुभांशु और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी के 322 फेरे लगाए और अंतरिक्ष स्टेशन की गति 28,000 किमी प्रति घंटा रही। कुल यात्रा करीब 1.40 करोड़ किमी की रही। यह यात्रा इतनी ब्रह्मांडीय थी कि एक यात्री चंद्रमा पर 35 बार आ-जा सकता था। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा।

एक्सिओम-4 मिशन के तहत स्पेस एक्स कंपनी का ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान 25 जून को फ्लोरिडा से रवाना हुआ था और 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा था। पृथ्वी की कक्षीय प्रयोगशाला में, शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन, पोलैंड के मिशन विशेषज्ञ स्लावोज़ विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू ने अगले 18 दिन 60 प्रयोग व 20 आउटरीच सत्र आयोजित करने में बिताए। भारत ने इस एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के लिए 550 करोड़ रुपये निवेश किए थे। यकीनन यह अकल्पनीय कीर्तिमान है और नया इतिहास है। इस अंतरिक्ष मिशन ने शुभांशु शुक्ला को 'अवतारी पुरुष' बना दिया है। अंतरिक्ष में जब भी मानव-जीवन संभव होगा या वनस्पतियां उगने लगेंगी। ऑक्सीजन का पर्यावरण होगा और जल के स्रोत मिल जाएंगे, तब पीढ़ियां उन अदम्य साहसी और सुदृढ़ मानसिक शक्ति वाले चेहरों को याद करेंगी, जिन्होंने अंतरिक्ष में आकर जीवनोपयोगी स्थितियों की बुनियाद रखी। शुभांशु ने अंतरिक्ष में 7 अति महत्वपूर्ण, बेशकीमती प्रयोग किए, हालांकि पूरी टीम को 60 प्रयोग करने थे। भारत के लाल' ने मेथी और मूंग

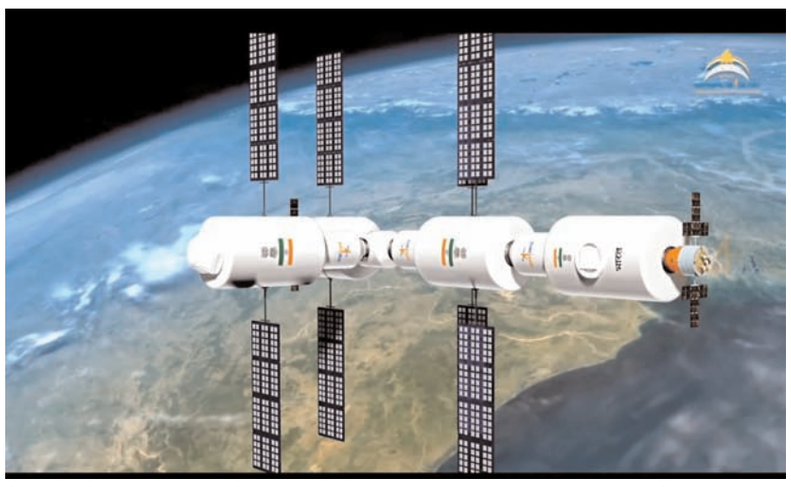

के बीजों को अंकुरित किया, जो अंतरिक्ष में पोषण और खाद्य सुरक्षा की दिशा में भोजन' साबित हो सकते हैं।

अंतरिक्ष में सूक्ष्म जीवों के जीवन, पुनर्जीवन, प्रजनन और जीन परिवर्तनों पर प्रयोग किया। अंतरिक्ष में बीजों की वृद्धि और प्रतिक्रिया का भी अध्ययन किया। भविष्य में अंतरिक्ष मिशन के लिए ऑक्सीजन, बॉयोफ्यूल के स्रोत के तौर पर माइक्रोएल्गी का भी अध्ययन किया गया। अंतरिक्ष उड़ान के दौरान आंखों की गति और समन्वय पर असर को समझने का प्रयोग किया। दिमाग के रक्त-प्रवाह पर फोकस किया गया, जिससे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और उच्च स्तर की कार्बन डाइऑक्साइड के असर को जानने का प्रयास किया गया। अंतरिक्ष में मानव मांसपेशियों, हड्डियों पर अंतरिक्ष के प्रभावों की भी जांच की गई। यह अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चूंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नगण्य होता है, लिहाजा यात्री की मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। लौटने पर वह अपने पांव पर खड़ा होने और चलने में असमर्थ-सा रहता है। यह यात्रा 18 दिन की ही थी, लिहाजा यात्रियों पर इतने गहरे प्रभाव न पड़े हों, लेकिन फिर भी उनका पुनर्वास किया जा रहा है। उनकी पूरी तरह मेडिकल जांच होगी, इलाज किए जाएंगे, ताकि वे नए सिरे से पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार ढल सकें।अंतरिक्ष टीम ने एक्रायर्ड इक्विवेलेंस टेस्ट' नामक एक मानसिक प्रयोग में भी भाग लिया, जो अंतरिक्ष में रहने की क्षमता को मापता है। यकीनन शुभांशु के जरिए यह भारत की 'अपवादीय उपलब्धि' है।

अंतरिक्ष मानव की खोज, नवाचार और महत्वाकांक्षा का नया ठिकाना बन गया है, जिससे शीर्ष देशों के बीच अंतरिक्ष की दौड़ शुरू हो गई है। वहां होड़ भी शुरू हो गई है और तमाम देश पृथ्वी के अनदेखे, अनजाने हिस्सों में जाकर अपना दबदबा कायम करना चाहते हैं। इतना ही नहीं अब वे पृथ्वी की कक्षा में बची जगह पर अपने उपग्रह तैनात करने और दूसरे ग्रहों पर नियंत्रण करने में भी जुट गए हैं। एलन मस्क ने मंगल पर ही आखिरी सांस लेने' की बात कह कर भविष्य को और दिलचस्प बना दिया है यानी अगले कुछ दशकों में अंतरिक्ष का क्षेत्र बहुत आगे जा सकता है। इसरो तेजी से कदम आगे बढ़ा रहा है और भारत की अंतरिक्ष यात्रा की प्रगति दिलचस्प होती जा रही है।

भारत में अंतरिक्ष स्टार्टअप तंत्र को आगे बढ़ाने में सरकारी नीतियों की अहम भूमिका रही है। इसको सबसे तगड़ा बढ़ावा 2022 में रक्षा प्रदर्शनी डेफएक्सपो के दौरान मिला, जब अंतरिक्ष से जुड़ी 75 चुनौतियां शुरू की गईं। अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की भागीदारी पर नजर रखने के लिए नए नियामक इन-स्पेस का गठन हुआ और इसरो ने अपनी प्रक्षेपण सुविधाएं, ग्राउंड स्टेशन तथा परीक्षण सुविधाएं निजी क्षेत्र के लिए खोल दीं, जिससे रफ्तार बहुत बढ़ गई। सरकार ने अपने वादे पर आगे बढ़ते हुए 1,000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड भी शुरू किया है और 52 में से 31 एसबीएस-3 प्रोग्राम सैटेलाइट स्टार्टअप इकाइयों के लिए आवंटित किए हैं। इससे अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रगति को और धार मिल रही है।

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने वाला बड़ा कारक बनने जा रहा है। अनुमान है कि इस क्षेत्र का आकार 2030 तक बढ़कर 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है यानी दशक भर के भीतर इसमें 15 गुना बढ़ोतरी हो सकती है। इसे भांपते हुए कई राज्य सरकारों ने स्टार्टअप एवं विनिर्माण इकाइयों को आकर्षित करने वाली अंतरिक्ष नीतियां तैयार की हैं। राज्य सरकारें कृषि, आपदा राहत एवं शहरी नियोजन में भू-अंतरिक्ष तकनीक के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दे रही हैं। नीतिगत दृष्टि से भी केंद्र सरकार ने 2023 में नई स्पेस पॉलिसी लागू की है और 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति दी है। इससे निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ी है और अब तक 328 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स उभर चुके हैं। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है।

भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके। इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है। ये असंभव नहीं है, लेकिन अभी हमें इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। दरअसल, एक्सियम-4 मिशन इसरो के लिये अनुसंधान के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र निस्संदेह ऐतिहासिक बदलाव के द्वार पर खड़ा दिख रहा है। ऊर्जावान स्टार्टअप तंत्र और भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार की गई नीतियां इसमें अहम भूमिका निभा रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान का जो भारतीय इतिहास लिखा जा रहा है, यह यात्रा उसका प्रथम अध्याय है, लिहाजा अभी बहुत दूर जाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा है कि शुभांशु के इस मिशन ने एक अरब सपनों को प्रेरणा दी है। बेशक यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' की दिशा में 'मील का पत्थर' है। शुभांशु के अनुभव और प्रयोगों से बहुत मदद मिलेगी।

## नजरिया

# क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

**ललित गर्ग**

**मोबाइल : 9811051133**

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को ज़िम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका

**एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है?**

की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुईं हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और बदहाल कानून-व्यवस्था' को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी-कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस-प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज़ किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं, जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा। जनता के लिए भी यह चुनाव एक अवसर है कि वे विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें, न कि जाति या चहेते दल के नाम पर।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

# न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने पर सभी दल सहमत, न्यायालिका में भ्रष्टाचार गंभीर मामला : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल एकमत हैं। न्यायमूर्ति वर्मा के आवास से नोटों की जली हुई गड्डियां बरामद हुई थीं। रीजीजू ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक विशेष वीडियो साक्षात्कार में कहा, मैंने विभिन्न राजनीतिक दलों के सभी वरिष्ठ नेताओं से बात की है। मैं एकमात्र सांसद वाले कुछ दलों से भी संपर्क करुंगा, क्योंकि मैं किसी भी सदस्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहता। ताकि यह भारतीय संसद की एक संयुक्त राय के रूप में सामने आए।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का प्रस्ताव लाने की पहल सरकार की नहीं, बल्कि विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों की है, जिनमें कांग्रेस के सांसद भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''न्यायपालिका में भ्रष्टाचार एक अत्यंत संवेदनशील और गंभीर मामला है, क्योंकि न्यायपालिका ही वह जगह है जहां लोगों को न्याय मिलता है। अगर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो यह सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसी कारण न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने का प्रस्ताव सभी राजनीतिक दलों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा।''

रीजीजू ने कहा कि उन्हें खुशी है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने मामले की गंभीरता को समझा है और इस मुद्दे पर साथ देने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि उसने चीजों को वैसे ही समझा जैसा उसे समझना चाहिए, क्योंकि कोई भी पार्टी भ्रष्ट न्यायाधीश के साथ खड़ी या भ्रष्ट न्यायाधीश को

बचाती हुई नजर नहीं आ सकती।

रीजीजू ने कहा, जब न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की बात आती है, तो हमें एकजुट होना होगा। इसमें कोई दलीय आधार पर रुख नहीं होना चाहिए और इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए।'' कांग्रेस ने कहा है कि उसके सभी सांसद न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। रीजीजू ने कहा कि किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के नोटिस पर लोकसभा में कम से कम 100 सदस्यों और राज्यसभा में 50 सदस्यों के हस्ताक्षर होने चाहिए। उन्होंने कहा कि नोटिस लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष को और राज्यसभा में सभापति को प्रस्तुत किया जाएगा, जो सदन को सूचित करेंगे, न्यायाधीश जांच अधिनियम के अनुसार जांच समिति गठित करेंगे तथा तीन महीने में रिपोर्ट प्राप्त करेंगे।

रीजीजू ने कहा, ''इसलिए तीन महीने की अवधि की आवश्यकता पूरी करनी होगी। उसके बाद जांच रिपोर्ट संसद में पेश की जाएगी और दोनों सदनों में इस पर चर्चा होगी।'' इस साल मार्च में न्यायमूर्ति वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास में आग लगने की घटना हुई थी और घर के बाहरी हिस्से में जली हुई नकदी से भरी बोरियां बरामद हुई थीं। उस समय न्यायमूर्ति वर्मा दिल्ली उच्च न्यायालय में पदस्थ थे। न्यायमूर्ति वर्मा को बाद में इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के आदेश पर हुई आंतरिक जांच में उन्हें दोषी ठहराया गया है। न्यायमूर्ति वर्मा ने हालांकि किसी भी गलत कार्य में संलिप्त होने से इनकार किया है, लेकिन उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित आंतरिक जांच समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्यों का उस भंडारकक्ष पर गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था, जहां नकदी पाई गई थी। इससे यह साबित होता है कि उनका कदाचार इतना गंभीर है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए।

पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल द्वारा न्यायमूर्ति वर्मा और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव के बीच तुलना करने संबंधी टिप्पणी पर रीजीजू ने कहा कि संसद को एक वकील-सांसद के निजी एजेंडे से निर्देशित नहीं किया जा सकता।

## छात्रा की मौत : बीजद ने मौन प्रदर्शन किया, 21 को आरडीसी कार्यालयों के सामने आंदोलन की घोषणा

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने बालासोर में महिला कॉलेज की एक छात्रा की मौत के मामले की न्यायिक जांच की मांग को लेकर आंदोलन तेज करते हुए शुक्रवार को यहां महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास मौन विरोध प्रदर्शन किया। बीजद ने यह भी निर्णय किया कि जब तक सरकार इस घटना की अदालत की निगरानी में न्यायिक जांच की घोषणा नहीं कर देती, तब तक वह अपना आंदोलन जारी रखेगी। इस घटना में कथित यौन उत्पीड़न मामले में न्याय नहीं मिलने पर छात्रा ने आत्मदाह कर लिया था, और बाद में उसकी मृत्यु हो गई थी।

बीजद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा, पार्टी ने 21 जुलाई को कटक, संबलपुर और बरहमपुर में तीन राजस्व संभागीय आयुक्त (आरडीसी) कार्यालयों के समक्ष प्रदर्शन करने का निर्णय किया है, ताकि सरकार पर घटना की न्यायिक जांच की घोषणा करने के लिए दबाव बनाया जा सके।'' काली पट्टी से मुंह ढके और हाथों में तख्तियां लिये बीजद महिला, छात्र और युवा शाखा सदस्यों ने यहां महात्मा गांधी पार्क में मौन प्रदर्शन किया। मौन प्रदर्शन एक घंटे चला।

प्रदर्शनकारियों ने 16 जुलाई को लोक सेवा भवन घेराव आंदोलन के दौरान बीजद नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित पुलिस ज्यादतियों की भी निंदा की। बीजद की महिला नेता एवं पूर्व मंत्री तुकुनी साहू ने कहा, पुलिस की मनमानी तब साफ़ दिखाई दी जब उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर रबर की गोलियां चलायीं, आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछार की। हम पुलिस की इस कार्रवाई की निंदा करते हैं। छात्रा की मौत की अपराध शाखा द्वारा जांच को खारिज करते हुए, मिश्रा ने पार्टी की मांग को उचित ठहराया और कहा, केवल अदालत की निगरानी में न्यायिक जांच से ही मृत महिला और उसके परिवार को न्याय मिल सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि पीड़िता ने बालासोर के एफएम कॉलेज के एक शिक्षक द्वारा कथित तौर पर यौन और मानसिक उत्पीड़न की अपनी शिकायत की जांच के लिए मुख्यमंत्री, राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री, स्थानीय विधायक, बालासोर सांसद, पुलिस और नागरिक प्रशासन के अलावा कॉलेज अधिकारियों समेत सभी अधिकारियों से संपर्क किया था। मिश्रा ने पूछा कि एक डीएसपी स्तर के अधिकारी के नेतृत्व वाली अपराध शाखा की जांच ऐसे मामले में कैसे कार्रवाई कर सकती है, जब कई प्रभावशाली व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टी अपना आंदोलन जारी रखेगी। बालासोर के एफएम कॉलेज की 20 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा ने कथित तौर पर न्याय नहीं मिलने पर 12 जुलाई को परिसर में आत्मदाह कर लिया था। उसने चौदह जुलाई को एम्स भुवनेश्वर में दम तोड़ दिया था।

## राहुल ने किया वाद्रा का बचाव, आरोपपत्र को दुर्भावनापूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे से जुड़े धन शोधन के मामले में रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद शुक्रवार को उनका खुलकर बचाव किया और कहा कि दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई हो रही है, लेकिन वह अपने बहनोई और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आखिरकार सत्य की जीत होगी।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मेरे बहनोई को पिछले 10 वर्षों से इस सरकार द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। यह नवीनतम आरोपपत्र उसी की अगली कड़ी है। उन्होंने कहा, मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ खड़ा हूं, क्योंकि वे दुर्भावनापूर्ण, राजनीति से प्रेरित बदनामी और उत्पीड़न के एक और हमले का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं जानता हूं कि वे सभी किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करने का साहस रखते हैं और वे सम्मान के साथ ऐसा करना जारी रखेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि आखिरकार सत्य की विजय होगी। कांग्रेस के कई नेताओं ने भी वाद्रा के प्रति अपनी एकजुटता प्रकट की। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा कि पूरी पार्टी गांधी परिवार के साथ खड़ी है।

## सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक वामपंथी उग्रवाद को निशाना बनाने के लिए है : मुख्यमंत्री फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई।** मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा चालू मानसून सत्र में पारित महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक वामपंथी दलों या सरकार विरोधी आवाजों के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य वामपंथी उग्रवाद को निशाना बनाना है। विधानसभा में पिछले सप्ताह लाए गए विपक्ष द्वारा समर्थित प्रस्ताव पर बहस का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि वामपंथ और वामपंथी उग्रवाद में अंतर है, ठीक वैसे ही जैसे इस्लाम और प्रतिबंधित आतंकवादी समूह 'आईएसआईएस' में अंतर है।

मुख्यमंत्री ने सदन में कहा, ''विशेष जन सुरक्षा विधेयक एक उदार कानून है। मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) अधिक कठोर है। मैं इस विधेयक का विरोध कर रहे लोगों को बताना चाहता हूं कि इसका दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। नए कानून में किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार नहीं है।'' संयोग से विपक्षी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक-2024 के खिलाफ एक पत्र सौंपा, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह दमनकारी, अस्पष्ट और दुरुपयोग के लिए ''खुला' है। विपक्षी नेताओं ने राज्य सरकार पर जन सुरक्षा की आड़ में असाधारण कार्यकारी शक्तियों को वैध बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को विधानमंडल परिसर में हुई हाथापाई और मीडिया में अध्यक्ष को निशाना बनाए जाने पर भी दुख व्यक्त किया। महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में बृहस्पतिवार को राकांपा (शरदचंद्र पवार) विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर के समर्थकों के बीच मारपीट हो गई थी। एक दिन पहले दोनों विधायकों के बीच तीखी बहस हुई थी। यह घटना शाम 5.45 बजे विधानमंडल भवन के भूतल पर हुई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, संसदीय मर्यादा, आचरण और संवाद बनाए रखने की जिम्मेदारी हमारी है। आव्हाड व पडलकर के सहयोगी क्रमशः नितिन देशमुख व सर्जेराव (ऋषिकेश) टाकले कथित तौर पर इस हाथापाई में शामिल थे और उन्हें राज्य विधानमंडल के सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में ले लिया था। फडणवीस ने कहा कि टाकले पर छह आपराधिक मामले दर्ज हैं और आठ मामलों में देशमुख का नाम है। मुख्यमंत्री ने कहा, ये लोग विधानसभा में मारपीट करते हैं। हम ऐसे लोगों की वजह से जनता को विधान भवन में आने से नहीं रोक सकते।

## बैंक शेयरों के दबाव में सेंसेक्स 501 अंक टूटा, निफ्टी 143 अंक कमजोर

**मुंबई/भाषा।** तिमाही नतीजों की घोषणा की सुस्त शुरुआत के बीच विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों के शेयरों में बिकवाली होने से शुक्रवार को शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 501 अंक टूट गया जबकि निफ्टी अंक नुकसान में रहा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 501.51 अंक यानी 0.61 प्रतिशत गिरकर 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 651.11 अंक गिरकर 81,608.13 अंक के निचले स्तर तक आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 143.05 अंक यानी 0.57 प्रतिशत गिरकर 24,968.40 अंक पर बंद हुआ।

विश्लेषकों ने कहा कि एक्सिस बैंक के तिमाही नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहने से निवेशकों ने बैंक शेयरों को लेकर सतर्क रुख अपना लिया है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एक्सिस बैंक के शेयर में सबसे अधिक 5.24% की गिरावट दर्ज की गई। जून तिमाही में बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ 3% घटकर 6,243.72 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा एक्सिस बैंक के नवीनतम वित्तीय परिणाम बाजार की उम्मीदों से कम रहे।

## आज महिलाओं को अधिक आजादी है लेकिन पितृसत्ता भी कठोर हुई है : बानू मुश्ताक

**नई दिल्ली/भाषा।** अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित लेखिका बानू मुश्ताक को उनके जिस कहानी संग्रह हार्ट लैंप' के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया उसमें 12 कहानियां हैं जो 1990 के दशक से लेकर 2023 तक लिखी गई हैं। इसी दौर में झांकते हुए बानू कहती हैं कि महिलाएं पहले के मुकाबले आज अधिक आज़ाद हैं लेकिन इसके साथ ही पितृसत्ता भी अधिक कठोर हुई है। बृहस्पतिवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बानू मुश्ताक ने कहा कि एक ओर महिलाएं उच्च शिक्षा हासिल कर रही हैं, नौकरी कर रही हैं लेकिन उसी के साथ ही अपने धर्म से बाहर किसी और से विवाह करने पर उनकी हत्याएं भी हो रही हैं।

पेशे से अधिवक्ता और महिला अधिकारों की प्रबल पैरोकार बानू मुश्ताक ने कहा, पितृसत्ता बदल गई है और महिलाओं का दर्जा भी बदला है। महिलाएं उच्च शिक्षा हासिल कर रही हैं, अच्छी नौकरियां ले रही हैं और कुछ चीजें हैं जो वे दुनिया में बेहतर कर रही हैं। लेकिन इसी के साथ ही पितृसत्ता भी कठोर हुई है।'' मूल कन्नड भाषा से दीपा भास्ती द्वारा अंग्रेजी में अनूदित 'हार्ट लैंप' दक्षिण भारत में महिलाओं और लड़कियों की रोजमर्रा जिंदगी का रोजनामचा है - जहां उनके प्रजनन अधिकारों का अक्सर शोषण किया जाता है, जहां सत्ता की कमान पुरुषों के हाथों में होती है और एक ऐसे रूढ़िवादी समाज में उनका हर रोज दमन किया जाता है जो महिलाओं की स्वायत्ता को बिरले ही बर्दाश्त करता है। उन्होंने कहा, ''हम आए दिन खाप पंचायतों के फैसले देखते हैं। हम देखते हैं कि एक पिता अपनी ही बेटी की हत्या कर देता है, एक मुस्लिम युवती को केवल इसलिए मौत के घाट उतार दिया जाता है क्योंकि उसने एक हिंदू युवक से विवाह करने का फैसला किया या एक हिंदू लड़की को इसलिए कत्ल कर दिया जाता है कि उसने एक मुस्लिम युवक को जीवन साथी बनाने का रास्ता चुना। इस पितृसत्ता के कारण आप देखिए कि महिलाओं के खिलाफ हर प्रकार की हिंसा को जायज ठहराया जाता है। दोनों चीजे एक ही समय में, एक साथ हो रही हैं।'' उन्होंने कहा ''वह आजाद है, शिक्षित है और फैसले ले सकती है लेकिन उसी के साथ ही पितृसत्ता महिलाओं के रास्ते में कांटे बो रही है।''

## सरकार 2036 ओलंपिक की तैयारी के लिए खिलाड़ियों को प्रति माह 50,000 रु दे रही : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां कहा कि सरकार 2036 के ओलंपिक की तैयारियों के तहत लगभग 3,000 खिलाड़ियों को प्रति माह 50,000 रुपये की सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए एक विस्तृत और व्यवस्थित योजना बना रही है। शाह 21वें वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025' में भाग लेने वाले भारतीय दल के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जीत और हार जीवन चक्र का हिस्सा है लेकिन जीत का लक्ष्य तय करना तथा जीत के लिए योजना बनाना हर किसी का 'स्वभाव' होना चाहिए। जीतना किसी आदत की तरह होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग जीतने की आदत विकसित करते हैं, वे हमेशा असाधारण प्रदर्शन करते हैं। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि मोदी सरकार खेल को हर गांव तक पहुंचाने की व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि हर खेल में विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों का चयन और प्रशिक्षण वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है। शाह ने कहा, ''पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेल को बहुत महत्व दिया गया है। बजट में पांच गुना बढ़ोतरी की गई है। सरकार 2036 के ओलंपिक की भी तैयारी कर रही है जिसमें लगभग 3,000 खिलाड़ियों को प्रति माह 50,000 रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है और इसके लिए एक विस्तृत व्यवस्थित योजना बनाई जा रही है।'' शाह ने कहा कि हर पुलिस अधिकारी की दिनचर्या ऐसी होनी चाहिए कि उसकी दिन की शुरुआत परेड से हो और शाम खेल के साथ समाप्त हो।

## तिलोत्तमा शोम अभिनीत बांग्ला फिल्म 'बक्शो बोंडी' से होगा आईएफएफएम का आगाज़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम अभिनीत बांग्ला फिल्म 'बक्शो बोंडी' से 2025 के इंडियन फिल्म 'फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' (आईएफएफएम) का आगाज़ होगा। इस फिल्म का 14 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया में आधिकारिक तौर पर प्रीमियर होगा, जिससे आईएफएफएम के 16वें संस्करण की शुरुआत होगी। इस फिल्म का निर्देशन तनुश्री दास और सौम्यनंद साही ने किया है।

फिल्म की कहानी कोलकाता के एक उपनगर की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें शोम ने माया की भूमिका निभाई है, जो एक कामकाजी महिला है। अंग्रेजी में इस फिल्म का शीर्षक 'शैडोबॉक्स' है जिसका सहनिर्माण भारत, फ्रांस, अमेरिका और स्पेन ने किया है। शैडोबॉक्स' का 75वें बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था।

# फौजा सिंह का अंतिम संस्कार कल

### गिरफ्तार चालक के रिश्तेदार मैराथन धावक के परिजन से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चंडीगढ़/भाषा।** दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह का अंतिम संस्कार रविवार को जालंधर स्थित उनके गांव ब्यास में दोपहर 12 बजे किया जाएगा। उनके बेटे हरविंदर सिंह ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर यह जानकारी दी। हरविंदर ने कहा, ''विदेश में रहने वाले हमारे कई रिश्तेदार आ चुके हैं, जबकि कुछ और शनिवार तक पहुंच जाएंगे।'' वहीं, कनाडा में रहने वाले उस व्यक्ति के परिजन ने भी सिंह के परिवार से मुलाकात की, जिसकी एसयूवी की चपेट में आने से 114 वर्षीय मैराथन धावक की कथित तौर पर मौत हो गई थी।

अमृतपाल सिंह ढिल्लों (26) को मंगलवार रात गिरफ्तार किया गया और बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि ढिल्लों तीन हफ्ते पहले ही पंजाब लौटा था। जालंधर (देहात) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरविंदर सिंह ने बुधवार को बताया कि ढिल्लों की गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। उन्होंने बताया कि करतारपुर के दसूपुर का रहने वाला ढिल्लों टूरिस्ट वीजा पर कनाडा गया था; लेकिन बाद में उसे 2027 तक वैध 'वर्क परमिट' मिल गया था। ढिल्लों को उसके दसूपुर स्थित घर से गिरफ्तार किया गया, जो फौजा सिंह के बेटे के अनुसार, ब्यास में उनके गांव से ज्यादा दूर नहीं है। हरविंदर ने बताया कि ढिल्लों के रिश्तेदार बृहस्पतिवार को उनसे मिलने पहुंचे और संवेदना व्यक्त की। हरविंदर ने कहा, ''उसके चाचा के साथ कुछ स्थानीय लोग आए थे। वे पास ही में रहते हैं और उनमें से ज्यादातर हमारे परिवार को जानते हैं। हम भी उनमें से ज्यादातर लोगों को जानते हैं, जो हमारे गांव के आस-पड़ोस में रहते हैं। उन्होंने इस दुर्घटना पर अपनी संवेदना और दुख व्यक्त किया।'' उन्होंने दोहराया कि ढिल्लों अपनी एसयूवी रोककर उनके पिता को तुरंत अस्पताल ले जा सकता था। हरविंदर ने कहा, ''मैंने पढ़ा है कि उसने दावा किया है कि उसे नहीं पता कि उसने किसे टक्कर मारी थी। हालांकि, वह स्थानीय निवासी था और उसे पता होना चाहिए था कि उसकी गाड़ी ने किसी बुजुर्ग को टक्कर मार दी है। अगर वह घटनास्थल से नहीं भागता और मेरे पिता को अस्पताल पहुंचाता, तो शायद उनकी जान बच सकती थी।'' उन्होंने कहा कि ढिल्लों को घटना के बाद अपने परिवार से बात करनी चाहिए थी, भले ही वह डरा हुआ था। हरविंदर ने कहा, ''वह हमारा दुश्मन नहीं है; वह हमसे संपर्क कर सकता था और स्वीकार कर सकता था कि वह वही था। कम से कम मानवता के नाते उसे आगे आना चाहिए था। अब पुलिस ने घटना के सिलसिले में कार्रवाई कर दी है और मामला उसके हाथ में है।'' इससे पहले एसएसपी ने कहा था कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि ढिल्लों किसी काम के चलते जल्दी में था और तेज रफ्तार से एसयूवी चला रहा था। उन्होंने कहा था, ''उस समय, ढिल्लों को उस व्यक्ति की पहचान के बारे में नहीं पता था, जिसे उसने टक्कर मारी थी। उसने हमें बताया कि वह डर गया था, इसलिए उसने गाड़ी नहीं रोकी।'' एसएसपी ने पत्रकारों को बताया कि ढिल्लों जालंधर जा रहा था, लेकिन दुर्घटना के बाद वह विभिन्न गांवों से होते हुए घर लौट आया। हालांकि, उन्होंने कहा कि वाहन को रोकना ढिल्लों की जिम्मेदारी थी और उसे सिंह को अस्पताल ले जाना चाहिए था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब सिंह अपने पैतृक गांव में जालंधर-पठानकोट राजमार्ग पार कर रहे थे, तभी एसयूवी की चपेट में आने से वह पांच से सात फुट ऊपर हवा में उछल गए।

## टाटा समूह ने एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के लिए 500 करोड़ रुपये का कल्याण ट्रस्ट स्थापित किया

**नई दिल्ली/भाषा।** टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के लिए 500 करोड़ रुपये का कल्याणकारी ट्रस्ट स्थापित किया है। 'एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट' का पंजीकरण मुंबई में कराया गया है।

टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने परोपकारी उद्देश्यों के लिए ट्रस्ट को 250-250 करोड़ रुपये का योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देना भी शामिल है। ट्रस्ट की परोपकारी गतिविधियों में विमान हादसे में गंभीर रूप से घायल लोगों के इलाज का खर्च और दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए सहायता भी शामिल होगी। गत 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का एक विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में कुल 260 लोग मारे गए थे, जिनमें जमीन पर मौजूद 19 लोग शामिल थे।

## उद्धव ने महाराष्ट्र में त्रि-भाषा नीति का विरोध किया

**मुंबई/भाषा।** शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि वह महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में त्रि-भाषा नीति लागू करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगे।

मानसून सत्र के अंतिम दिन विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बृहस्पतिवार को राज्य विधानमंडल परिसर में प्रतिद्वंद्वी दलों के दो विधायकों के समर्थकों के बीच हुई हाथापाई पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस घटना ने महाराष्ट्र की छवि को धूमिल किया है। मराठी तथा अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी थोपे जाने'' के दावे पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हम महाराष्ट्र में त्रि-भाषा नीति को जबरन लागू किए जाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 19-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

व्यक्ति धार्मिक दिखाना चाहता है बनना नहीं चाहता है। धर्म के उपासना के कर्मकांड को अपना कर धर्म की इति श्री मान लेना अज्ञानता का प्रतीक है। न्याय नीति ईमानदारी नैतिकता प्रमाणिकता धर्म का प्रवेश द्वार है। जैन संत ने कहा कि अत्यंत दुर्भाग्य है धर्म की जाजम पर भी राजनीति करने में शर्म महसूस नहीं कर रहे हैं, वह नास्तिक से भी खतरनाक हो जाते हैं। परस्पर अविश्वास की भावनाएं धार्मिक लोगों में पनप रही है।

# नंद महोत्सव में झूम उठे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वावधान में स्थानीय श्री माहेश्वरी भवन परिसर में पावन श्रावण मास में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा तथा भगवान शिवजी के रुद्राभिषेक के चतुर्थ दिवस सुबह करीब 75 भक्तों ने अभिषेक किया। नारायण जे राठी परिवार, संतोष सारडा, अनिल केला, घनश्याम टावरी, मनोज दलाल तथा समाज के अन्य गणमान्य सदस्यों ने अभिषेक का लाभ लिया।

दोपहर के समय समिति के अध्यक्ष ने मुख्य मनोरथी प्रवीण माहेश्वरी(बिसानी) को मंच पर

आमंत्रित कर भागवतजी पूजा तथा माल्यार्पण करवाकर वैष्णवाचार्यश्री से आशीर्वाद दिलवाएं।

श्रीमद्भागवत कथान्तर्गत वल्लभ कुल वंशज वैष्णवाचार्य गो. गोवेर्धनेशजी ने अपने मुखारविंद से नरसिंह अवतार का वर्णन करते हुए श्री भक्त प्रह्लाद के चरित्र का अद्वितीय वर्णन किया उसके बाद वामन अवतार, ध्रुव चरित्र सहित श्रीराम जन्म का मार्मिक वर्णन करते हुए बताया की हमारा चरित्र अतर के समान होना चाहिये जिसे हम लोग लगावें और सुगंध दूसरे को आवे यही वैष्णवी एवं भक्त का जीवन होता है। आज कथान्तर्गत कृष्ण जन्म के समय सजीव झाँकी का चित्रण किया और नन्द महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया और नन्द के आनन्द भयो जय कन्हैया लाल की मंगलगीत पर श्रद्धालुओं ने नृत्य किया।

आज भागवत कथा का केशरीमल धीरन, गौरी शंकर राठी, महेंद्र कंधारी, रेखा मूंधड़ा, जमना मालपानी सहित करीब 300 भक्तों ने रसपान किया। समिति के उपाध्यक्ष अनिल घुरका ने पधारे हुए सभी भक्तों का स्वागत किया।

# नैतिकता और ईमानदारी के अभाव में, मानव विश्व के किसी भी धर्म में प्रवेश नहीं कर सकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां साहुकारपेट के जैन भवन में शुक्रवार को राष्ट्र संत कमल मुनिजी कमलेश ने संबोधित करते कहा कि धार्मिक उपासना पद्धति की दुहाई देने वाले, कर्मकांड को अपनाकर धार्मिकता का दंभ भरने वालों के, जीवन में नैतिकता का दुर्लभ दर्शन होना, उनकी सारी क्रियाएं मुर्दे को श्रृंगार करने के समान है। नैतिकता और ईमानदारी के अभाव में, मानव विश्व के किसी भी धर्म में प्रवेश नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान जैसे आध्यात्मिक देश जहां पर कदम-कदम पर मंदिर ,मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च धर्म स्थान, प्रवचन सभाएं निरंतर आयोजित होती है। लाखों की संख्या में संत हैं तो भी ईमानदारी के दर्शन क्यों नहीं हो रहे हैं संतों को भी इस पर गहराई से चिंतन करना होगा।

मुनि कमलेश ने बताया कि आज विश्व में मिलावट, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, हिंसा, आतंकवाद, व्यसन, बलात्कार, ब्लैकमेल करना, अनैतिकता जैसी घटनाओं की बाढ़ आना क्या धार्मिकता की दुहाई देने वाले के मुंह पर करारा तमाचा नहीं। राष्ट्रसंत ने कहा कि व्यक्ति धार्मिक दिखाना चाहता है बनना नहीं चाहता है। धर्म के उपासना के कर्मकांड को अपना कर धर्म की इति श्री मान लेना अज्ञानता का प्रतीक है। न्याय नीति ईमानदारी नैतिकता प्रमाणिकता धर्म का प्रवेश द्वार है। जैन संत ने कहा कि अत्यंत दुर्भाग्य है धर्म की जाजम पर भी राजनीति करने में शर्म महसूस नहीं कर रहे हैं, वह नास्तिक से भी खतरनाक हो जाते हैं। परस्पर अविश्वास की भावनाएं धार्मिक लोगों में पनप रही है। हम आने वाली पीढ़ी के सामने धर्म को किस विरासत के रूप में सोपेंगे जरा विचार करें। अंत में कहा कि धर्म को आस्था का केंद्र बनाना है, युवा पीढ़ी को धर्म के नजदीक लाना है ,तो धर्म पालन करने वाले के जीवन में आदर्श के दर्शन होने चाहिए। नैतिकता सद्भाव और प्रेम क्या संचार होना चाहिए धर्मस्थल के विवादों से धार्मिक लोगों को कोर्ट के चक्कर लगाकर देखते हुए युवा पीढ़ी को धर्म पाखंड के रूप में नजर आ रहा है। हम सबको मिलकर आत्म चिंतन करके धर्म के नैतिक मूल्यों को जीवन में लाना होगा। ज्ञानचंद चौरड़िया, मीडिया प्रभारी अजीत कोठारी, संस्कार मंच के पवन कोठारी, अजीत कोठारी, ने सेवा का लाभ लिया। संचालन महामंत्री डॉक्टर संजय पिंचा ने किया।

# पुण्य की टंकी खाली हो तो सुख कहां से मिलेगा : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट स्थित जैन स्थानक में शुक्रवार को विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने प्रवचन में कहा कि जैसे टंकी में पानी नहीं होता तो पानी कैसे आएगा, वैसे ही जीवन की टंकी में यदि ज्ञान, धर्म और पुण्य नहीं है तो जीवन सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि लोग चीजें खरीद कर घर में रख लेते हैं यह सोचकर कि इससे उन्हें सुख मिलेगा, लेकिन असल में वैसा कुछ नहीं होता। समझदार लोग जान जाते हैं कि इनमें कोई वास्तविक सुख नहीं है। इन्हीं बातों को समझने के लिए चातुर्मास होता है।

प्रवचन के दौरान उन्होंने परदेशी की कहानी मे उसकी पत्नी सूर्यकांता रानी की चर्चा करते हुए बताया कि पत्नी कई प्रकार की होती है, धर्म में साथ देने वाली, धर्म में प्रेम रखने वाली, सुख-दुख में पति का साथ निभाने वाली। आगमों में इसका उल्लेख मिलता है। इसके साथ ही उन्होंने पत्नियों के पांच प्रकार भी बताए। पहली आलसी, दूसरी हर बात की पूरी हिस्ट्री निकालने वाली, तीसरी हर बात पर शक करने वाली, चौथी भ्रमित और पांचवीं धार्मिक। उन्होंने श्रोताओं से पूछा कि आप इनमें से कौन से प्रकार में आते हैं? यदि बोलना चालना सही हो तो रिश्ते बने रहते हैं, नहीं तो टूट जाते हैं। घर की इज्जत नारी पर निर्भर होती है। यदि नारी समझदार है तो घर संभला रहता है, नहीं तो बिखर जाता है। शनिवार को पद्मावती एकासन का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया, करण डाकलिया, अशोक गेलेड़ा एवं मंच संचालक विनयचंद पावेचा उपस्थित रहे।

# पुण्य से होते हैं सारे काम : वीरेन्द्र मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सैदापेट में चातुर्मास विराजित श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा. ने शुक्रवार को प्रवचन में पुण्य के विषय में कहा कि जो पुण्य लेकर आते हैं पुण्यवान जीव होते है। उनके कार्य सहज से हो जाते हैं। अपने आप हो जाते हैं और सतकर्म करके अति पुण्य उपार्जन करते हैं। तपस्या की अनुमोदना करते हुए उन्होंने कहा कि तपस्या निज लाभ के लिए नहीं की जाती बल्कि कर्म निर्जरा के लिए तपस्या की जाती हैं, तपस्या सांसारिक सुख प्राप्त करने के लिए नहीं करनी चाहिए और पुण्याश्रावक की कथा में पुण्याश्रावक अपनी धर्मपत्नी को समझाते हुए कहा कि बिना आज्ञा या पूछे बगैर ली हुई वस्तु चोरी के समान होती हैं।

इसलिए किसी अन्य व्यक्ति की कोई भी वस्तु आज्ञा लेकर या मांगकर लेनी चाहिए। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने संघ लेकर पधारे मंडल का स्वागत करते हुए धन्यवाद किया।

# गोपालपुरम में भक्तामर स्तोत्र जप अनुष्ठान कार्यक्रम कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

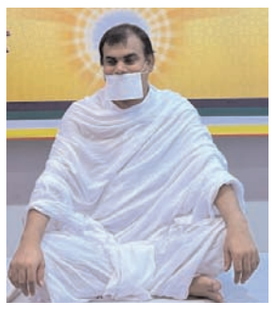

**चेन्नई।** यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सानिध्य व श्री जैन संघ, गोपालपुरम-चेन्नई के तत्वावधान में रविवार को सवेरे 8.30 बजे से सर्व सिद्धि प्रदायक भक्तामर स्तोत्र जप अनुष्ठान व रविवारीय विशेष प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। श्री कपिल मुनिजी ने इस जप साधना की महत्ता और उपयोगिता बताते हुए कहा कि अनंत शक्तिमान तीर्थंकर परमात्मा की श्रद्धापूर्ण भक्ति स्तुति के रूप में भक्तामर जाप भी हमारे भीतर शक्ति केंद्र को जागृत करता है जिसके सहारे हम अपने आपको स्वस्थ,सुरक्षित और आत्म निर्भर बना सकते हैं और गुणियों की स्तुति से नमस्कार पुण्य का लाभ भी अर्जित कर सकते हैं। जिससे आतंरिक और बाहरी सम्पदा की वृद्धि होती है। भक्तामर स्तोत्र जप अनुष्ठान शक्ति जागरण का अग्रदूत है। गुरुदेव ने प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन में प्रत्येक प्रवृत्ति होश और सावधानी पूर्वक की जाए तो कर्म बंधन से बचा जा सकता है। कर्म बन्ध के वक्त सावधान और कर्म उदय के वक्त समभाव धारण करना ही धर्म कला है। उन्होंने कहा कि इंसान को कर्म के प्रति सावचेत रहना चाहिए। जीवन में जो कुछ भी अच्छा बुरा घटित होता है वो कर्म का ही प्रतिफल है। धार्मिक कार्यों में बाधा डालने से अंतराय कर्म का बंध होता है कालांतर में इसके उदय से व्यक्ति के हरेक कार्य में बाधा आती है। अत: अच्छे और धार्मिक कार्यों में स्वयं जुड़कर दूसरों को जोड़ने का अद्भुत कार्य करके धर्म दलाली का लाभ लेना चाहिए। लेकिन किसी के अच्छे कार्य में व्यवधान डालने का पाप हर्गिज भी नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्म के मर्म को समझे बगैर धर्म को समझना बेहद मुश्किल है। इसलिए कर्मों की कातिल कुटनीति को दृष्टि के समक्ष रखकर जीवन जीना चाहिए। यहाँ कर्म की अदालत में किसी का बच पाना असंभव है। जो लोग धर्म, धर्म वाणी और धर्म गुरु के प्रति उदासीन बनकर जीते हैं ऐसे लोगों के भविष्य को अन्धकारमय बनते देर नहीं लगती है। संघ के अध्यक्ष अमरचंद छाजेड बताया कि छाजेड भवन में रविवार को सुबह आयोजित होने वाले इस जप साधना के विशेष कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालुगण भी हिस्सा लेंगे। धर्मसभा का संचालन संघ मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

# परमात्मा के वचनों में सच्ची श्रद्धा ही समकित है : आचार्य हीरचंद्रसूरिश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां किलपॉक जैन संघ में विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. ने तत्त्वार्थ सूत्र के छठे अध्याय की विवेचना करते हुए कहा कि वास्तविक तत्त्व का बोध दो प्रकार से होता है प्रमाण और नय से। प्रमाण का अर्थ है वस्तु का सम्पूर्ण रूप से बोध करना, जबकि नय का अर्थ है वस्तु को किसी एक अंश से जानना। जैसे मुट्ठी बनाने के लिए पांचों अंगुलियां चाहिए, परंतु प्रत्येक अंगुली की अपनी महत्ता भी है। इसी प्रकार भिन्न-भिन्न दृष्टिकोणों (नयों) से ही किसी विषय का पूर्ण ज्ञान (प्रमाण) संभव होता है। अलग-अलग विचारधाराएं मिलकर ही किसी नवीन वस्तु का आविष्कार कर पाती हैं। इसलिए बोध के लिए नयों का भी महत्व है और सभी नयों के समन्वय रूप प्रमाण का भी।

पंन्यासप्रवर विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने समकित के 67 बोल विषय पर प्रवचन देते हुए बताया कि इस ग्रंथ की रचना निर्मल गुणस्थान की प्राप्ति के लिए की गई थी। उन्होंने कहा जीव जब तर्कानुसार चलता है, तभी वह श्रद्धानुसार बन सकता है। दर्शन मोह के तीन भेद हैं, समकित मोह, मिश्र मोह और मिथ्यात्व मोह। समकित मोह आत्मा का मोह नहीं है, यह मोह के घर का है। अतः समकित मोह के भीतर कोई बाधा नहीं खड़ी करनी चाहिए। समकित एक विशिष्ट प्रकार का तत्त्व है। यह दोष तो बताता है परंतु घात नहीं करता। जिनवचन पर श्रद्धा की रुचि उत्पन्न करना समकित मोहनीयता है। यदि भगवान के वचनों के प्रति न रुचि है और न अरुचि, तो वह मिश्र समकित है। भगवान के वचन में रुचि नहीं, पर अरुचि है, तो वह मिथ्यात्व मोहनीय कहलाता है।

# सम्यक दर्शन, ज्ञान और चरित्र ही मोक्ष का मार्ग हैं : संतश्री वरुणमुनि

**बेंगलूरु/दक्षिण भारत राष्ट्रमत।** शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि जैन धर्म में मुख्य रूप से चार धाराएं हैं श्वेतांबर मूर्तिपूजक, श्वेतांबर स्थानकवासी, श्वेतांबर तेरापंथी एवं दिगंबर परंपरा। नवकार महामंत्र चारों परंपराओं में समान रूप से मान्य है। भक्तामर स्तोत्र भी चारों संप्रदाय में मान्य है किंतु इसमें कहीं 44 श्लोक, तो कहीं 48 श्लोक की मान्यता है । श्रद्धा का अर्थ है सम्यक दर्शन। यह दो शब्दों से बना है सम्यक और दर्शन । दर्शन के तीन अर्थ हैं प्रथम अर्थ में देखना यानी प्रभु या गुरु के दर्शन करना। दर्शन का दूसरा अर्थ विचारधारा है, जैसे बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, वैदिक दर्शन, सांख्य दर्शन आदि। दर्शन का तीसरा अर्थ है श्रद्धा। सम्यक् दर्शन, ज्ञान और चरित्र ही मोक्षमार्ग है। सम्यक् ज्ञान का अर्थ सही जानना और सम्यक चारित्र का अर्थ सही स्वीकारना या आचरण करना होता है। श्रद्धा दो प्रकार की हो सकती है। पहले अंधश्रद्धा या मिथ्या श्रद्धा और दूसरी सम्यक श्रद्धा या सम्यग दर्शन। सम्यग् दर्शन तीन प्रकार का होता है पहला व्यावहारिक सम्यक दर्शन, जिसमें देव-गुरु और धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा रखना। गुरु का अर्थ है निर्ग्रंथ संत, जिनमें कोई गांठ नहीं या जो अपने पूर्व भवों की गांठों को खोलने वाले होते हैं। सम्यक दर्शन की दूसरी सीढ़ी है दार्शनिक सम्यक दर्शन। सम्यक् दर्शन की तीसरी सीढ़ी है नैश्चिक सम्यक् दर्शन, जिसमें देव, गुरु या धर्म की भी मान्यता नहीं है। यहां एकमात्र आत्मा को ही विशुद्ध माना है ।

# तन, धन और पद का कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि तन, धन और पद का कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए। ये सभी अनित्य और अविश्वसनीय होते हैं। लक्ष्मी प्रकृति से चंचल होती है। सही समय पर सही तरीके से उपयोग कर लेने वाला विचक्षण होता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राजस्थान में भयंकर अकाल के वक्त पिपाड़ के पास रिया के सेठ जीवनलाल जी ने निःस्वार्थ भाव से अपना खजाना खोल कर लाखों को प्राण दान दिए थे जिससे आज भी वह रिया गांव 'सेठों की रिया' के नाम से प्रसिद्ध है। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि कर्म और धर्म निजी होते हैं। इसमें भागीदारी नहीं चलती है। हम भले ही परिवार के लिए पाप सेवन करते हैं किंतु स्वयं का भुगतान स्वयं को ही करना पड़ता था। यह कर्म सिद्धांत है। जिनवाणी को हम किसी भी पूर्वाग्रह से मुक्त हो कर सुने और तुलना की मानसिकता नहीं रखें। प्रवचन सभा में तमिलनाडु जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री प्रकाशचंद बोहरा उपस्थित थे। कई श्रावक श्राविकाओं ने तप के प्रत्याख्यान लिए। सभा का संचालन अभय कुमार बांठिया ने किया। धनपत राज बोहरा ने तपस्वियों का सम्मान किया।

# तमिलनाडु के दो अस्पतालों ने यकृत की अदला-बदली कर पहली बार एक साथ बचाई दो मरीजों की जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के कोयंबटूर में दो अस्पतालों ने मिलकर पहली बार अदला-बदली के माध्यम से सफलतापूर्वक यकृत (लिवर) प्रतिरोपण कर गंभीर बीमारी से जूझ रहे दो मरीजों को नयी जिंदगी दी। अस्पतालों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, ये मरीज यकृत संबंधी विकार के अंतिम चरण में थे। यह जटिल प्रक्रिया तीन जुलाई को कोयंबटूर के जीईएम अस्पताल और श्री रामकृष्ण अस्पताल के संयुक्त प्रयासों से दोनों अस्पतालों में एक साथ की गई।

एक विज्ञप्ति के मुताबिक, पारंपरिक रूप से होता यूं कि मरीज को अगर जरूरत है तो उसका कोई रिश्तेदार सीधे तौर पर रोगी को यकृत दान कर सकता है, इसके विपरीत अदला-बदली के मामलों में उन मरीजों को राहत मिलती है, जिनके अपने परिवार में कोई उपयुक्त व्यक्ति नहीं है और वे समान स्थिति वाले किसी अन्य परिवार के साथ यकृत का आदान-प्रदान कर सकते हैं। विज्ञप्ति में बताया गया कि इस पद्धति से उन लोगों की संख्या बढ़ी है, जो दान करना चाहते हैं और यकृत रोग के अंतिम चरण से जूझ रहे रोगियों में उम्मीद की नई किरण जगी है क्योंकि उन्हें या तो पहले लंबा इंतजार करना पड़ता था या फिर उनके पास कोई व्यवहार्य उपचार विकल्प नहीं होता था।

चिकित्सकों ने इस सफल सर्जरी को एक 'ऐतिहासिक चिकित्सा उपलब्धि' भी करार दिया। विज्ञप्ति के मुताबिक, जीईएम अस्पताल में भर्ती सलेम के रहने वाले 59 वर्षीय एक व्यक्ति और श्री रामकृष्ण अस्पताल में भर्ती तिरुप्पुर के रहने वाले 53 वर्षीय एक व्यक्ति की यकृत अदला-बदली की सर्जरी की गयी। इसमें कहा गया है कि दोनों रोगियों की पत्नियां रक्तदान करने को तैयार थीं लेकिन उनका रक्त समूह असंगत पाया गया और इसलिए सीधे रक्तदान की संभावना को खारिज कर दिया गया। इसके मुताबिक, चिकित्सकों ने हालांकि पाया कि प्रत्येक रोगी को यकृत दान करने वाले व्यक्तियों की अदला-बदली की जा सकती है और यही एकमात्र व्यवहार्य समाधान था।

जीईएम हॉस्पिटल के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. सी. पलानीवेलु ने कहा, इसके लिए कई कानूनी, नैतिक और तार्किक चुनौतियों से निपटना पड़ा। हमें अंग को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए तमिलनाडु राज्य प्रत्यारोपण प्राधिकरण से विशेष मंजूरी लेनी पड़ी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, अस्पतालों को एक साथ सर्जरी सुनिश्चित करनी थी और दोनों अस्पतालों के बीच एक वास्तविक समय संचार प्रोटोकॉल स्थापित करना था।

# तपस्या ही जीवन का सच्चा आभूषण है : साध्वीश्री पावनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ । शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तप अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि भिक्षु त्रिशताब्दी के सुअवसर पर स्वर्ण नगरी केजीएफ में तपस्या का सुनहरा रंग छाया हुआ है। हम कितने भाग्यशाली हैं की हमे मनुष्य जीवन व औदारिक शरीर प्राप्त हुआ है क्योंकि तपस्या एकमात्र औदारिक शरीर से ही सम्भव होती है। जैसे जैसे क्षयोपशम व त्याग चेतना का प्रचुर भाव बढ़ता है वैसे तपस्या के भाव पुष्ट होते हैं। तपस्या से आवेग ओर संवेग शान्त हो जाते है। जैन धर्म की तपस्या एक चिकित्सा बनी हुई है इससे शारीरिक, मानसिक और भावात्मक लाभ मिलता है। तपस्या से औदारिक के साथ साथ तेजस व कर्मण शरीर भी प्रभावित होता है। तपस्या से शरीर संतुलित रहता है। तपस्या ही जीवन का सच्चा आभूषण है। साध्वी रम्यप्रभाजी आदि तपस्वियों ने गीत की प्रस्तुति दी। साध्वी उन्नतयशाजी ने क़हा कि कर्म निर्जरा का बहुत बड़ा साधन है। तपस्या हर व्यक्ति नहीं कर सकता परन्तु अनुमोदना हर व्यक्ति कर सकता है और अपने कर्मों को हल्का कर सकता है। इस मौके पर अनेक तपस्वियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन साध्वी उन्नतयशाजी ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.